राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 06 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–226 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

करीना कपूर के ऊपर गिरते गिरते बचीं कियारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी, करीना कपूर खान और अर्जुन कपूर हाल ही में मुंबई के एक इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें कियारा, करीना के ऊपर गिरते-गिरते बचीं। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में कियारा, करीना और अर्जुन कपूर एक साथ स्टेज पर दिखाई दे रहे हैं। कियारा, अर्जुन से बातचीत कर रही थीं। लेकिन वह जैसे ही वापस जाने लगीं, उनका आउटफिट हाई हील्स में फंस गया और उनका संतुलन बिगड़ गया। हालांकि, उन्होंने खुद को संभाल लिया। इस दौरान अर्जुन ने उनकी हाथ पकड़ कर मदद की। अगर ऐसा नहीं होता तो कियारा उनके पीछे बैठीं करीना के गोद में ही गिर जातीं। सोशल मीडिया पर कई फैंस ने कियारा की प्रशंसा की और लिखा- 'कितने अच्छे से कियारा ने संभाल लिया'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'उन्होंने कितने अच्छे से संभाल लिया। उनका पैर मुड़ना काफी बुरा दिख रहा है'। वहीं एक यूजर ने अर्जुन की तारीफ करते हुए लिखा, 'कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि अर्जुन को बेमतलब की नफरत मिलती है'।

भारत में 1901 के बाद

अगस्त रहा सबसे गर्म

दिल्ली में 4 सितंबर को टूटा 85 सालों का रिकॉर्ड, 40 डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया

नई दिल्ली। सितंबर का महीना शुरू हो गया है, लेकिन देश के लोगों को अभी भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। इसकी बड़ी वजह सामान्य से कम बारिश होना भी है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 4 सितंबर तक देश में सामान्य से 11% कम बारिश हुई। इसीलिए, इस बार अगस्त महीने में एक सदी से भी ज्यादा समय यानी साल 1901 के बाद सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। उधर, दिल्ली में सोमवार (4 सितंबर) पिछले 85 सालों में सबसे गर्म दिन रहा। राजधानी का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। यह पिछले 85 सालों में सबसे ज्यादा और 1938 के बाद से सबसे ज्यादा है। भारत में एक सदी से भी ज्यादा समय में इस बार सबसे सूखा अगस्त रहा। जिसमें सामान्य से 36% कम बारिश हुई। मौसम एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस बार मानसून सामान्य रहेगा और सितंबर में बारिश की कमी पूरी हो जाएगी। 4 सितंबर के बाद बारिश में तेजी आएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने अगस्त में बारिश में कमी के लिए अल नीनो को जिम्मेदार ठहराया था।

गोरखपुर के चिलुआताल में 3 दोस्त डूबे, 2 की मौत

गोरखपुर । मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चिलुआताल के बामंत माता मंदिर स्थित महेसरा रेलवे पुल के नीचे नहाते समय 3 दोस्त ताल में डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने एक को तो किसी तरह बचा लिया। लेकिन दो की पानी में डूबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने SDRF टीम और गोताखोरों की मदद से दोनों के शवों को बाहर निकाला पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, घटना के बाद दोनों मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पूरे मोहल्ले में भी मातम छाया है। गोरखनाथ इलाके के कुंतीनगर जाहिदाबाद के रहने वाले अशरफ का बेटा आमीर (22) के साथ वहीं का रहने वाले साहिल उर्फ कैफ (16) और रेहान (22) मंगलवार की सुबह महेसरा गए हुए थे। तीनों आपस में रिश्तेदार थे। यहां पहुंचते ही तीनों ने चिलुआताल में नहाने की प्लानिंग कर ली। तीनों बामंत मंदिर से पूरब रेलवे पुल के नीचे पानी में नहाने लगे। इस बीच एक युवक नहाते समय गहरे पानी में जाते ही डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में अन्य दोनों युवक भी डूबने लगे। तीनों को डूबता देख आसपास के लोग उस तरफ दौड़े और किसी तरह आमीर को बचा लिया। लेकिन, साहिल और रेहान नदी के तेज बहाव में डूब गए। आमीर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने SDRF टीम और गोताखोरों की मदद से करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत कर दोनों के शवों को बाहर निकाला। मृतक साहिल उर्फ कैफ सेंट जोसफ स्कूल में 10वीं का छात्र था।

शिक्षक दिवस पर पीएम मोदी का पैगाम

स्कूलों में देश की विभिन्न संस्कृति, विविधता का जश्न मनाएं'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस (पांच सितंबर) के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों से अपने स्कूलों में देश के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति और विविधता का जश्न मनाने का आग्रह किया है। उन्होंने देश के युवा दिमागों को विकसित करने में शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को 7, लोक कल्याण मार्ग पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के 75 विजेताओं से मुलाकात की। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने अच्छे शिक्षकों के महत्व और देश की नियति को आकार देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को जमीनी स्तर पर उपलब्धि हासिल करने वालों की सफलता के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने स्थानीय विरासत और इतिहास पर गर्व करने की बात की और शिक्षकों से छात्रों को अपने क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। चंद्रयान-3 की हालिया सफलता पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में छात्रों में जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि 21वीं सदी प्रौद्योगिकी संचालित सदी है। उन्होंने युवाओं को कुशल बनाने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के महत्व के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के 75 विजेताओं से मुलाकात की। पीएम ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि युवा मन को आकार देने के लिए उनका समर्पण और शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता बहुत प्रेरणादायक है। अपनी कक्षाओं में वे भारत के युवाओं के लिए एक उज्जवल भविष्य लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने निवास पर शिक्षा का सर्वोच्च सम्मान पाने वाले स्कूली, उच्च और कौशल विकास के राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड विजेताओं से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से 2 बच्चों की मौत

बरेली । फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर ढाई बजे ट्रक ने टेंपो में टक्कर मार दी। बताया गया है कि ट्रक ने पीछे से टेंपो में टक्कर मारी है। जिसके बाद टेंपो सड़क पर पलट गया। इस दौरान एक किशोर एक और किशोरी की हादसे में मौत हो गई। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। आरोपी चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि शाहजहांपुर जिले के गढिया रंगीन क्षेत्र के रपड़िया नवादा निवासी रजनी (8 साल) पुत्री प्रेमराज की मौत हुई है। वहीं शाहजहांपुर के कांठ के हासिमपुर खेड़ा निवासी अनुराग (8 साल) पुत्र ध्रुव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। टेंपो पलने के बाद दोनों बच्चे ट्रक के पहिए के नीचे आ गए थे। यह सभी पीलीभीत के बीसलपुर से नामकरण के बाद लौट रहे थे। दोनों बच्चे आपस में रिश्तेदार हैं। इनके इनके परिजनों को भी चोट लगी है।

बागेश्वर में दर्दनाक हादसा, पतियासार के पास खाई में गिरा कैंपर वाहन, तीन की मौके पर मौत

कपकोटा (बागेश्वर)। उत्तराखंड के बागेश्वर में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। कपकोट में पतियासार के पास एक कैंपर वाहन खाई में गिर गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ से मिली जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब चार बजे की है। कैंपर वाहन संख्या वङ 02 ढअ 0842 लगभग 100 मीटर नीचे खाई में गिर गया। जब तक टीम पहुंची वाहन में सावर तीनों लोग दम तोड़ चुके थे। तीनों के शवों को खाई से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर वोटिंग जारी

3 बजे तक यूपी की घोसी में 43 प्रतिशत और बंगाल की धुपगुड़ी में 63 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। देश के 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए वोटिंग जारी है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, झारखंड और उत्तराखंड शामिल हैं, जहां 1-1 सीट पर चुनाव हो रहा है, जबकि त्रिपुरा की दो सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। नतीजे 8 सितंबर को आएंगे। इन सीटों पर 3 बजे तक वोटिंग पर्सेंटेज के आंकड़े आ गए हैं। यूपी की घोसी सीट पर 43.24%, बंगाल की धुपगुड़ी सीट पर 63.45% और त्रिपुरा की बॉक्सानगर पर 78.69% और धनपुर सीट पर 74.71% वोटर्स ने मतदान किया। चुनाव आयोग के मुताबिक, उत्तराखंड की बागेश्वर सीट पर 45.76% मतदान हुआ। झारखंड की डुमरी में 3 बजे तक 58.92% वोटिंग हुई है और केरल की पुथुपल्ली सीट पर 3 बजे तक 60.97% वोट पड़े। घोसी और धनपुर सीट पर मौजूदा विधायकों के इस्तीफा देने की वजह से चुनाव हो रहे है। बाकी पांच सीटों पर मौजूदा विधायक का निधन होने के चलते चुनाव हो रहे हैं। INDIA गठबंधन 5 सीटों- घोसी (UP), बागेश्वर (उत्तराखंड), डुमरी (झारखंड), बॉक्सानगर और धनपुर (त्रिपुरा) पर मिलकर चुनाव लड़ रहा है। वहीं, धुपगुड़ी (बंगाल) और पुथुपल्ली (केरल) में INDIA गठबंधन की पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। उत्तर प्रदेश की घोसी सीट जुलाई में समाजवादी पार्टी के विधायक दारा सिंह चौहान के इस्तीफा देने के बाद खाली हुई। दारा सिंह ने सपा छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली थी। अब वे भाजपा के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह को कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां समर्थन दे रही हैं। मतदान शुरू होने के कुछ देर बाद ही बूथ नं 61 और बूथ नं 9 में ईवीएम मशीन खराब हो जाने से मतदान बाधित हो गया है। डुमरी सीट पर I.N.D.I.A ब्लॉक की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की तरफ से बेबी देवी को मैदान में उतारा गया है। उनके सामने NDA गठबंधन की पार्टी ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (अखरव) ने यशोदा देवी को उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल की धुपगुड़ी सीट पर I.N.D.I.A अलायंस के सदस्य कांग्रेस और तृणमूल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव में उतरे हैं। कांग्रेस ने CPI(M) के उम्मीदवार ईश्वर चंद्र रॉय को समर्थन दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने निर्मल चंद्र रॉय को मैदान में उतरा है, जबकि भाजपा ने तापसी रॉय को उम्मीदवार बनाया है। पुथुपल्ली सीट कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी के निधन के बाद खाली हुई थी। यहां कांग्रेस ने ओमान चांडी के बेटे को मैदान में उतारा है। CPI(M) की तरफ से जैक सी थॉमस को कैंडिडेट बनाया गया है, जबकि भाजपा ने सीनियर नेता लिजिन लाल को कैंडिडेट बनाया है।

बागेश्वर सीट के विधायक चंदन राम दास के निधन के बाद भाजपा ने उनकी पत्नी पार्वती दास को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने बसंत कुमार को मैदान में उतारा है। कुमार 2022 तक इसी सीट से आम आदमी पार्टी (AAP) के उम्मीदवार थे और AAP की स्टेट यूनिट के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। त्रिपुरा की बॉक्सानगर और धनपुर सीट पर भाजपा और CPI(M) के बीच सीधा मुकाबला है। इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों की सीमा बांग्लादेश से लगती है। उपचुनाव के चलते यहां इंटरनेशनल बॉर्डर को सील कर दिया गया है।

पटना यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में गिरे नीतीश कुमार, पैर फिसला, सुरक्षा गार्ड्स ने उठाया

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना यूनिवर्सिटी में एक उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान गिर गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें संभाल लिया। उनके साथ राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी मौजूद थे। नीतीश मंगलवार को शिक्षक सम्मान समारोह से सीनेट हॉल के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। हालांकि इस घटना में नीतीश कुमार को कोई चोट नहीं आई है। सीनेट हॉल के उद्घाटन के बाद नीतीश कुमार ने शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल यहां बैठे हैं। मैं उन्हें खुद यूनिवर्सिटी दिखाऊंगा। नीतीश कुमार ने राज्यपाल को कहा कि आपसे मिलते हैं, तो हमको बहुत अच्छा लगता है, जब मौका मिलेगा तो हम आपको घुमाएंगे। परमिशन हैं ना आपकी। चलिएगा ना मेरे साथ? राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की बातों को मैं ध्यान में रखूंगा उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनने का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री और राजभवन के बीच कोई टकराव नहीं है। इस बीच ही मंच से नीचे बैठे लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। देश का पीएम कैसे हो नीतीश कुमार जैसा हो।

कांग्रेस कार्यकताओं में चले लात-घूंसे

करनाल। हरियाणा के करनाल में कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक के दौरान स्टेट ऑब्जर्वर की मौजूदगी में हुड्डा-सुरजेवाला के समर्थक भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर लात और घूंसे चले। काफी हंगामे के बाद दोनों पक्षों को शांत किया गया। जिसके बाद हुड्डा गुट के लोग मीटिंग में चले गए, लेकिन रणदीप सुरजेवाला ग्रुप के लोग रेस्ट हाउस के बाहर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कॉर्डिनेटर योगराज भदौरिया, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कॉर्डिनेटर जरनैल सिंह व SL शर्मा सुबह 10 बजे PWD रेस्ट हाउस करनाल में पहुंचे। यहां पर जिले भर से सभी गुटों के नेता पहुंचे, लेकिन यहां वहीं हुआ जो कल जींद में हुआ था। बैठक में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला गुट और दूसरे कांग्रेसी पहुंचे थे। सुरजेवाला गुट के कांग्रेस कार्यकताओं ने यहां पहुंचते ही नारेबाजी शुरू कर दी। सुरजेवाला समर्थकों ने ऑब्जर्वर वापस जाओ के नारे लगाते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस की मीटिंग की जानकारी ही नहीं दी गई थी। इन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि वह बाप-बेटे की नहीं चलने देंगे। नारेबाजी के दौरान हुड्डा ग्रुप में पूर्व विधायक राकेश कंबोज ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई।

योजनाओं में देरी तो अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई, गडकरी ने परियोजनाओं को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) व राष्ट्रीय राजमार्ग एंड अवसंरचना विकास निगम लि. (एनएचआईडीसीएल) समेत अपने मंत्रालय के अधिकारियों को तत्काल कार्यान्वयन के लिए तीन लाख करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं का रूपरेखा बनाने का निर्देश दिया है। गडकरी ने अधिकारियों को योजनाओं के कार्यान्वयन और उनसे जुड़े मुद्दों से निपटने में किसी भी तरह की देरी होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कहा, परियोजनाओं को मंजूरी दें और उन्हें तुरंत शुरू करने का प्रयास करें ताकि वार्षिक योजना पर कम बोझ पड़े। अगर काम नहीं हुआ तो मैं कार्रवाई करूंगा। उन्होंने सोमवार को मंत्रालय के क्षेत्रीय अधिकारियों के प्रदर्शन के साथ परियोजनाओं की समीक्षा के बाद ये निर्देश दिए। दिल्ली के लाल किले की तर्ज पर अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण कॉर्पोरेट घराने कर सकेंगे। केंद्र सरकार के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने ह्यएडॉप्ट ए हेरीटेज

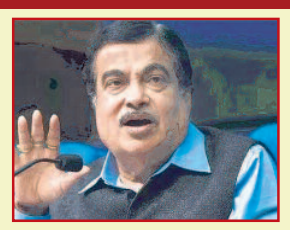

2.0ह्न योजना को मंजूरी दे दी है। इसका मकसद भारत की सभ्यता, संस्कृति की हजारों साल पुरानी विरासत की गवाह एतिहासिक धरोहरों को संरक्षण देना है। यह कॉर्पोरेट घराने इन धरोहरों का बिना छेड़छाड़ एएसआई की अनुमति से नया जीवन देंगे। फिलहाल एएसआई के पास 3697 ऐतिहासिक धरोहर हैं। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से इस योजना को शुरू किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धराहरों के संरक्षण में कॉरपोरेट हितधारक सहयोग दें। ह्यविरासत भी, विकास भीह्न की दूरदृष्टि साकार करने को संस्थाओं को आगे आना चाहिए। भारत के चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश को जिसमें सत्तारूढ़ बीआरएस विधायक बी कृष्ण मोहन रेड्डी के चुनाव को रद्द घोषित किया गया था, तेलंगाना राज्य के राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश में पराजित उम्मीदवार डीके अरुणा को निर्वाचित विधायक घोषित किया गया था। इस संबंध में चुनाव आयोग ने तेलंगाना के मुख्य सचिव, विधानसभा सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र भेजा। उच्च न्यायालय ने 24 अगस्त को कृष्ण मोहन रेड्डी का चुनाव रद्द घोषित कर दिया था। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान प्रबोध टिर्की सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए।

अदभुत देवत्व के धनी योगेश्वर श्रीकृष्ण!

डा श्रीगोपाल नारसन

हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया। श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भाद्रमाह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है।प्रायः जन्माष्टमी का त्योहार दो दिन मनाया जाता है। एक दिन गृहस्थ जीवन वाले और दूसरे दिन वैष्णव संप्रदाय वाले जन्माष्टमी मनाते हैं।इसलिए 6 व 7 सितंबर दोनों दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा सकता है। 6 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5250 वां जन्मोत्सव है। श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि 12 बजे मथुरा में हुआ था। इस दिन श्रीकृष्ण भक्त उपवास रखकर श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते हैं। कंस के बढ़ रहे अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया था।श्रीकृष्ण पूजा का समय 6 सितंबर 2023 को रात्रि 11.57 बजे से 07 सितंबर 2023, प्रातः 12:42 तक है,यानि केवल 46 मिनट की पूजा अवधि है।रात्रि पूजन के लिए श्रीकृष्ण के लिए झूला सजाएं, इसके बाद श्रीकृष्ण को पंचामृत या गंगाजल से अभिषेक करें और फिर उनका श्रृंगार करें। इस दिन श्रीकृष्ण का बांसुरी, मोर मुकुट, वैजयंती माला कुंडल, पाजेब, तुलसी दल आदि से श्रृंगार किया जाता है। इसके साथ ही पूजा में उन्हें मक्खन, मिठाई, मेवे,मिश्री और धनिया की पंजीरी का भोग लगाया जाता है।पूजा में श्रीकृष्ण की आरती जरूर करें।वास्तव में योगिराज श्रीकृष्ण सोलह कला सम्पन्न देवता है, जिन्होंने अपनी सर्वगुण सम्पन्नता से महाविकारी व अत्याचारी शासक कंस का वध किया था।वे महाभारत युद्ध के समय श्रीमद् भागवत गीता के उदभव के लिए खासे चर्चित हुए। श्रीमद्भागवत स्वयं परमात्मा का सन्देश है ,जो अर्जुन को धर्म की रक्षा के लिए दिया गया।श्रीकृष्ण का पूर्ण आभामण्डल ही हर किसी को लुभाता रहा है।उनका मनमोहक स्वरूप,उनकी गीत संगीत से ओत प्रोत ज्ञान मुरली,उनकी प्राकृतिक आपदा के समय गोवर्धन पर्वत के माध्यम से जनसामान्य की मदद करने की घटना ,गरीब मित्र सुदामा का अपने राजमहल मे अतिथि सत्कार करना भक्तों

को इतना भाया कि श्रीकृष्ण को उन्होंने दिलो मे बसा लिया।तभी तो कही लड्डू गोपाल के रूप मे तो कही नटखट गोपाल के रूप मे,कही घनश्याम के रूप मे तो कही कन्हैया के रूप मे श्री कृष्ण विभिन्न कला दिखाते हुए नजर आते है।श्रीकृष्ण जिन्हें पौराणिक दृष्टि से लीलाधर, रसिक, गोपी प्रेमी, कपड़े चोर, माखन चोर और न जाने क्या-क्या लिखा गया है ,की भक्ति मनोरथ पूरा करने वाली है । ब्रह्माकुमारीज व आर्य समाज जैसी संस्थाओं ने हमेशा अपने महापुरुषों को अंधविश्वास से मुक्त करने का काम किया है। लोगों को वास्तविकता का बोद्ध कराया है। योगिराज श्रीकृष्ण के चरित्र को किस तरह से पेश कर कह दिया गया कि उनकी 16 हजार गोपियाँ थी, वे छिपकर माखन व गोपियों के कपडे चुराने जाया करते थे।जबकि इसमें कोई सच्चाई नही है।फूहड़ गीत बना दिए कि मनिहार का वेश बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, अश्लील कथा जोड़ दी कि उनके आगे पीछे हजारों स्त्रियाँ नाचती थी, वो रासलीला रचाते थे यदि कोई हमारे सामने हमारे माता-पिता के बारे में ऐसी टिप्पणी करे तो क्या हम सहन करेंगे? नहीं ना! तो फिर आर्य समाज कैसे सहन करता? ऐसी स्थिति में श्रीकृष्ण के वास्तविक चरित्र को समझना बहुत आवश्यक है श्रीकृष्ण महाभारत में एक पात्र है जिनका वर्णन सबने अपने-अपने तरीके से किया है,सबने कृष्ण के जीवन को खंडो में बाँट लिया सूरदास ने उन्हें बचपन से बाहर नही आने दिया, सूरदास के श्रीकृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते है। रहीम और रसखान ने उनके साथ गोपियाँ जोड़ दी, इन लोगों ने वह श्रीकृष्ण प्रस्तुत नही किया जो शुभ को बचाना, अशुभ को छोड़ना सिखाता है।श्री कृष्ण की बांसुरी में सिवाय ध्यान और आनंद के और कुछ भी नहीं था, पर मीरा के भजन में दुख खड़े हो गये पीड़ा खड़ी हो गयी। हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने तरीके से रखकर भागवत कथा सुनाने लगे श्रीकृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र है, जो साहस का चरित्र है,जो ज्ञान चरित्र का है, जो नीति निर्धारक का चरित्र है, जिसमें युद्ध की कला है,उसे सामने नही लाया गया। श्रीकृष्ण के प्रति अहिंसा की बात के पीछे कायरता दिखा दी गई । स्वामी दयानंद ने कृष्ण के शब्दों को उनकी नीति, उनकी युद्ध कला के रूप में समझायो वास्तव में अर्जुन नाम एक मनुष्य का है,जबकि कृष्ण नाम चेतना का है ,जो सोई चेतना को जगा दे उसी जाग्रत चेतना का नाम कृष्ण है जो अपने धर्म व देश के प्रति आत्मा को जगा दे उसी का नाम श्रीकृष्ण हैपुराणों के चश्मे से श्रीकृष्ण को नहीं समझा जा सकता क्योंकि वहां सिवाय मक्खन व कपड़े चोरी के आरोपों के अलावा कुछ नहीं मिलतो मन्दिरों में नाचने से श्रीकृष्ण को नहीं पाया जा सकतो उसके लिए अर्जुन बनना पड़ेगा, तभी श्रीकृष्ण को समझा जा सकता है यह सत्य है श्रीकृष्ण जैसा कोई दूसरा उदहारण फिर पैदा नहीं हुओ यदि स्त्री जाति के सम्मान की बात आये तो कृष्ण जैसा उदहारण नहीं मिलेगा ।श्रीकृष्ण ने हर किसी स्त्री का सम्मान किया। स्त्री जाति भी श्रीकृष्ण का सम्मान करती रही। लेकिन खुद नारी जाति का शोषण करने के लिए योगिराज के महान चरित्र को रासलीला से जोड़ दिया गयो धर्म की बुनियादों में श्रीकृष्ण हमेशा से जीवित है, जिस दिन अंधविश्वास के अंधकार का पत्थर हटेगा, तभी हम श्रीकृष्ण को पा सकेंगे उनके विराट स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे। वही समय कलियुग की पूर्णतः समाप्ति व सतयुग के आरंभ का भी समय होगा।यानि श्रीकृष्ण सतयुग का प्रथम पुरुष होगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

'तैयार हैं हम' का संदेश

दिल्ली में जी-20 के शिखर सम्मेलन के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लंबे इंटरव्यू का एक खास मकसद है। हालांकि इनमें बहुत सारी बातें पुरानी हैं। एकाध बातों को छोड़कर। पर वर्तमान में इसका प्रयोजन भारत की अंगड़ाई लेतीं वैश्विक महत्त्वाकांक्षाओं से देश-दुनिया को साक्षात्कार कराना है। इसके जरिए मोदी 'तैयार हैं हम' का भरोसा भिन्न व्यवस्थाओं से संचालित होने वाले भूगोल और उनमें रहने वाली पूरी मानवजाति को देना चाहते हैं। यह भरोसा भारत की ठोस आर्थिकी, भौतिक-भौगोलिक, वैज्ञानिक एवं जनसांख्यिकीय विलक्षणता का है, जो परम्परागत दूरदर्शिता, गुणवत्ता एवं युवा आबादी की क्षमता-कौशल से भरपूर है। प्राय हर क्षेत्र में इसकी उपलब्धि के निशान हैं। भारत ने वैश्विक संकट-आतंकवाद, कोरोना जैसी महामारी में नुकसान सह कर भी सहायता देने की मानवीय प्रतिबद्धता दिखाई है। जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या पर उसकीसक्रियता ने रास्ता दिखाया है। इसके बावजूद,

दक्षिण एशिया और अफ्रीकी महादेश तक विकसित होने के लिए संघर्षरत हैं। यह केवल एकांगी और विखंड़नवादी यूरोपीय दर्शन से दुनिया को हांकने का नतीजा है। उन्हें बराबरी तक लाने के लिए विकास का जीड़ीपीए आधारित दृष्टि नहीं बल्कि भारत के अविभेदकारी मूल दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' यानी संसार एक परिवार है, के तहत मानवीय दर्शन को अपनाना होगा। इसमें सभी विचारों-दर्शनों के फलने-फूलने की एक सामूहिक विविधता है। संयुक्त राष्ट्र के सम्यक विस्तार की यही उचित दृष्टि होनी चाहिए। भारत इसी बुनियाद पर सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य का दावा करता रहा है। मोदी कहना चाहते हैं कि भारत का रवैया वैश्विक नेतृत्व के मानकों के एकदम अनुरूप है। दुनिया को इस भारत का इस्तकबाल करना चाहिए। जी-२० की वार्षिक अध्यक्षता एवं उसकी मेजबानी एक सुबूत है। खचीर्ला होने के बावजूद भारत में इसका आयोजन उसके कद को और ऊंचा करने के लिए जरूरी है। इंदिरा गांधी के समय हुए गुटनिरपेक्ष सम्मेलन या एशियाड के जरिए यह स्थापित करना था कि भारत सपेरों या भूखे-नंगों का देश नहीं है। लेकिन मोदी अब ह्यजीरो से इसरो तक' में तथ्यों के साथ भारत के नायकत्व की ठोस दावेदारी कर रहे हैं। वे कश्मीर एवं अरुणाचल में चीन की आपत्तियों को साहस से खारिज कर रहे हैं। वहीं, देश को संदेश दे रहे हैं कि यह सब स्थिर सरकार (उनकी) के रहते ही संभव हुआ है। वे युवा आबादी पर दांव लगा कर अगले चुनाव में बाजी पलटने की तैयारी में भी हैं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

बेचैन सत्ता - उत्साहित इंडिया

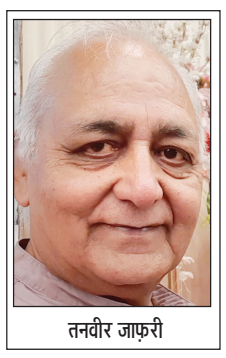

तनवीर जाफ़री

विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक पिछले दिनों मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बार मुंबई में इंडिया गठबंधन की मेजबानी महाराष्ट्र विकास अघाड़ी द्वारा की गयी जिसमें मुख्यतः शिवसेना (उद्धव),राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी शामिल है। जबकि पटना में हुई पहली बैठक की मेजबानी जनता दल यूनाइटेड द्वारा की गयी थी व बंगलौर में हुई दूसरी बैठक कर्नाटक कांग्रेस पार्टी द्वारा आहूत की गयी थी। पटना से मुंबई तक के विपक्षी गठबंधन का अब तक का यह सफर निश्चित रूप से गठबंधन के 26 सदस्यों में परस्पर विश्वास बनाने में सफल रहा है। इंडिया के गठन के बाद सत्ता के गलियारों में मची उथल पुथल स्वयं इस बात का सुबूत है कि 2024 के लोकसभा चुनाव और उससे पूर्व होने जा रहे विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव, स्वयं को अजेय समझने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये नाकों चने चबाने जैसे हालत पैदा करने जा रहे हैं। सत्ता की घबराहट इससे भी पता चलती है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता स्वयं अपने नवगठित राजनैतिक गठबंधन की सफलता या उसकी विशेषता का उतना गुणगान व प्रचार प्रसार नहीं कर रहे जितना कि भाजपा के नेता इसकी आलोचना व निन्दा करने में व्यस्त हैं। यहाँ तक कि सत्ता द्वारा रसोई गैस में की गयी 200 / रुपए प्रति सिलेंडर की कमी जैसे फैसले भी इंडिया के बढ़ते कद के तहत ही लिये बताये जा रहे हैं। गौरतलब है कि जिस भाजपा ने 2014 से लेकर अब तक अपने सहयोगी एन डी ए दलों की बैठक बुलाने की जरुरत महसूस नहीं की थी,इंडिया का गठन होते ही उसे भी एन डी ए की बैठक बुलानी पड़ी। इतना ही नहीं बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया से घबराई भाजपा अपने विरोधी नेताओं को परेशान करने,उनमें विभाजन पैदा करने उन्हें डराने धमकाने जैसे निकृष्टतम हथकंडे भी अपना रही है। यह सब सत्ता की बेचैनी और बौखलाहट के ही परिणाम हैं।

बहरहाल,पटना में पहली मुलाकात,बंगलौर में गठबंधन का नामकरण और मुंबई में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया के नारे के साथ इस बैठक में तीन मुख्य प्रस्ताव पारित करना गठबंधन की प्रारंभिक सफलता को दशार्ता है। मुंबई बैठक में जहां सीट बंटवारे की प्रक्रिया जल्द ही पूरी करने की बात कही गयी वहीँ इस बैठक में चार समितियां बनाने का फैसला भी किया गया है। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोकसभा का अगला चुनाव जहां तक संभव हो, एक साथ मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट के बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू होगी और विचार-विमर्श की सहयोग वाली भावना के साथ यथाशीघ्र पूरी की जाएगी। हम, इंडिया के विभिन्न दल, लोगों की चिंता और महत्व के मामलों पर देश के विभिन्न हिस्सों में जल्द से जल्द सार्वजनिक रैलियां आयोजित करने का संकल्प लेते हैं। प्रस्ताव के अंत में कहा गया है, हम, इंडिया के विभिन्न दल, विभिन्न भाषाओं में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम के साथ अपनी संबंधित संचार और मीडिया रणनीतियों और मुहिमों का समन्वय करने का संकल्प लेते हैं। बैठक के समापन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी सहित अनेक नेताओं ने दोहराया कि - इंडिया गठबंधन बीजेपी को आसानी से हराएगा. उन्होंने कहा - इस मंच पर बैठी सारी पार्टियां यदि एकजुट रहती हैं, तो हमें हराना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन भी है। जैसे जैसे लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है भारतीय जनता पार्टी के लिये परेशानी बढ़ाने वाली कई खबरें भी सामने आ रही हैं। जैसे कि पिछले दिनों विश्व के प्रतिष्ठित समाचार पत्र ह्यद गार्डियनह्ल और ह्यफाइनेंशियल टाइम्सह्ल ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिस में कहा गया है कि टैक्स हैवन्स देश मॉरीशस के दो फंड - इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड (ईआईएफ एफ) और ईएम रीसर्जेंट फंड (ईएमआरएफ) ने 2013 से 2018 के बीच अदानी ग्रुप की चार कंपनियों में पैसा लगाया और इनके शेयरों की खरीद-फरोख़्त भी की। इन फंडस के द्वारा यूएई के निवेशक नासिर अली शाबाना अहली और ताइवान के निवेशक चांग चुंग लींग ने इन कंपनियों में पैसा लगाया था। ये पैसा बरमूडा के इन्वेस्टमेंट फंड ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज के जरिये लाया गया। 2017 में नासिर अली और चांग चुंग लींग के इस निवेश की कीमत लगभग 43 करोड़ डॉलर थी। इस समय इसकी कीमत (मौजूदा एक्सचेंज रेट) 3550 करोड़ रुपये है। जनवरी 2017 में इन दोनों निवेशकों की अदानी इंटरप्राइजेज, अदानी पावर और अदानी ट्रांसमिशन में क्रमशः 3.4, 4 और 3.6 फीसदी हिस्सेदारी थी। दरअसल गौतम अडानी के भाई विनोद अदानी के कहने पर ही नासिर अली और चांग चुंग लींग के फंडस ने अदानी ग्रुप की कंपनियों में जो पैसा लगाया, उससे अदानी ग्रुप की कंपनियों अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी ट्रांसमिशन में प्रमोटर ग्रुप (जिसके विनोद अदानी सदस्य थे) की हिस्सेदारी जनवरी 2017 में 78 फीसदी से ज्यादा हो गई।

इसी प्रकार दूसरा गंभीर विषय चीनी घुसपैठ का है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों की बैठक में भाग ले रहे थे उसी के फौरन बाद चीन के नेचुरल रिसोर्स मिनिस्ट्री की तरफ से 28 अगस्त 2023 को अधिकृत रूप से एक नया नक़्शा जारी किया गया जिसमें भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को चीनी क्षेत्र दिखाया गया है। इससे पहले इसी वर्ष अप्रैल के महीने में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नाम बदलने की मंजूरी दे दी थी। चीन के इस नए नक़्शे में भारत के उपरोक्त क्षेत्रों के अलावा चीन द्वारा ताइवान और

विवादित दक्षिण चीन सागर को भी चीनी क्षेत्र में शामिल किया गया है। विपक्षी गठबंधन चीन के कुत्सित इरादों से अधिक भारत सरकार द्वारा इस विषय पर अपनायी जा रही उदासीनता व खामोशी को लेकर चिंतित है। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने लद्दाख तथा पेंगोंग झील का एक सप्ताह का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र में चीनी घुसपैठ की हकीकत से देश को आगाह किया। इसका जिक्र उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद भी किया। गोया विपक्ष द्वारा अगले चुनावों में जहां मंहगाई,बेरोजगारी,भ्रष्टाचार व साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दे सत्ता को घेरने के लिये उठाये जायेंगे वहीँ चीनी घुसपैठ और अडानी जैसे चंद उद्योगपतियों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला संरक्षण भी सत्ता के लिये बड़ा सिर दर्द साबित होने जा रहा है। इसीलिये जहाँ सत्ता की बेचैनी बढ़ती जा रही है वहीं इंडिया घटक दलों का उत्साह बढ़ता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश : विधान सभा का बदलता स्वरूप

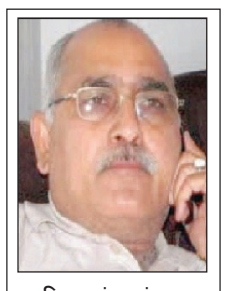

विजय शंकर पंकज

उत्तर प्रदेश विधान सभा, भारत की ऐतिहासिक धरोहरों में से एक विशिष्ट भवन है। इस विशाल और शानदार इमारत के अब से 5 वर्ष बाद 2028 में इसके निर्माण के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे।

इतनी अवधि पूरे होने के बाद भी इमारत की मजबूती और भव्यता शान से अपने इतिहास की गौरव गाथा बताती है।

पिछले कुछ वर्षो में भवन की आंतरिक साज-सज्जा में काफी बदलाव किया गया है। इस सजावट और आकर्षण के चक्कर में मूल भवन की मजबूती के कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है। बहुत कम लोगों को जानकारी होगी और यह जानकर आश्चर्य होगा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा कही जाने वाली वर्तमान मूल भवन का जब निर्माण कार्य पूरा हुआ तो इसकी कुल लागत मात्र 21 लाख रु पए थी, जबकि आज इस भवन के रखरखाव और साज-सज्जा के नाम पर प्रति वर्ष 100 से 150 करोड़ रु पए का खर्च हो रहा है। ब्रिटिश सरकार के निर्देश में तत्कालीन गवर्नर सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर ने 15 दिसम्बर 1922 को विधान भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा। इस भवन के निर्माण के वास्तुकार सर स्वीनन जैकब और हीरा सिंह थे। यह बिल्डिंग

ब्रिटिश एवं भारतीय निर्माण व वास्तु कला के मिशण्रकी अद्भुत देन हैं। इसका निर्माण मेसर्स मार्टिन एंड कंपनी ने किया था। इसके पूर्व तत्कालीन संयुक्त प्रांत की राजधानी 1922 तक इलाहाबाद में थी।

1922 में ब्रिटिश सरकार ने इलाहाबाद से हटाकर लखनऊ को राजधानी बनाया और विधान भवन के निर्माण का प्रस्ताव हुआ। बटलर ने 4 अगस्त 1923 को भवन निर्माण की नींव रखी। 5 वर्ष में इस भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद 21 फरवरी 1928 को बटलर ने ही इसका उद्घाटन किया। गवर्नर हरकोर्ट बटलर तब आज की बटलर कालोनी की एतिहासिक कोठी में रहते थे। इस कोठी की शान यहां की शानदार झील थी। आज इस इलाके में कई शानदार सरकारी कोठिया तथा बंगले बन गए हैं।

विधान सभा का इतिहास

ब्रिटिश शासन में पहली बार एम.एन. राय ने 1934 में संयुक्त राज्य-आज के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड-के लिए विधान सभा के गठन का विचार प्रस्तावित किया। इसके बाद तत्कालीन कांग्रेस पार्टी ने 1935 में विधान सभा की मांग उठाई। कांग्रेस की मांग थी कि विधान सभा में जनता की समस्याओं के साथ ही उनकी आवाज उठाई जा सकती है। कांग्रेस की मांग पर 1940 में ब्रिटिश संसद ने कैबिनेट मिशन योजना के तहत घटक विधान सभा के चुनाव कराने की अनुमति दी। ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत संयुक्त प्रांत के लिए सदस्यों की संख्या 228 निर्धारित की गई। इसका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया। संयुक्त प्रांत विधान सभा का गठन 1 अप्रैल 1937 को किया गया। 31 जुलाई 1937 को संयुक्त विधान सभा के सभापति तथा उप सभापति का निर्वाचन किया गया। पुरुषोत्तम दास टंडन सभापति और अब्दुल हलीम उप सभापति बने।

संयुक्त प्रांत विधान सभा के सदस्य के रूप में तत्कालीन कई बड़े राजनेता शामिल रहे। इसकी कार्य संचालन नियमावली और सदन के निदेर्शों को लेकर ब्रिटिश सरकार जब तब विरोध करती रही, जिसके कारण कुछ सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। आजादी के बाद 3 नवम्बर 1947 को संयुक्त प्रांत की नई विधान सभा का गठन किया गया। 4 नवम्बर 1947 की पहली बैठक में विधान सभा की कार्यवाही एवं संचालन नियमावली बनाई गई। विधान सभा की कार्यवाही के लिए हिंदी भाषा को अनिवार्य किया गया। तब के संयुक्त प्रांत में रामपुर और टिहरी गढ़वाल जैसी बड़ी रियासतें थी। 25 जनवरी 1950 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयास से इन रियासतों को मिलाकर संयुक्त प्रांत को उत्तर प्रदेश बना दिया गया। पंडित गोविंद वल्लभ पंत इसके पहले मुख्यमंत्री बने।

वर्तमान विधान सभा 18वीं है। इसके अध्यक्ष सतीश महाना है। वैसे विधा सभा के आंतरिक साज-सज्जा को लेकर दशकों से कम चल रहा है। 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद इस दिशा में काफी तेजी आई है। विधान भवन के द्वितीय तल के गलियारे की साज-सज्जा एवं खूबसूरत लाइटिंग दर्शकों को आकर्षित कर रही है, तो इनके फर्श के रंग बिरंगे पत्थर चार चांद लगा रहे हैं। प्रथम तल पर प्रवेश द्वार के गलियारे में लगाई गई बड़ी-बड़ी इलेक्ट्रानिक स्क्रीन चकाचौंध पैदा कर रही है। ई वीथिका से विधान सभा के इतिहास से लेकर अन्य जानकारियों की अनमोल धरोहर को संजोया जा रहा है। देश की बड़ी लाइब्रेरी में शामिल विधान सभा लाइब्रेरी का डिजीटलाइजेशन किया जा रहा है। विधानसभा का मुख्य मंडप अलग ही छटा बिखेर रहा है। अब हर विधानसभा सदस्य की सीट पर टैबलेट लगे हैं। पूरी विधान सभा की कार्यवाही डिजिटल हो गई है। विधान भवन के बाहरी हिस्से की लाइटिंग के लिए नई एलईडी लाइट लगाई गई है। इस साज-सज्जा से विधान भवन के बाहरी से लेकर अंदरूनी हिस्से का स्वरूप ही बदल गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलजी ने चाणक्यपुरी के कौटिल्य मार्ग पर एनडीएमसी का वेस्ट टू आर्ट पार्क लोकार्पित किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने चाणक्य पुरी के कौटिल्य मार्ग पर निर्माण स्थलों और ऑटोमोबाइल अपशिष्ट से बचाए गए स्क्रैप धातु से बनी कलाकृतियों के सार्वजनिक पार्क को औपचारिक रूप से जनता के देखने के लिए लोकार्पित किया।

पार्क का उद्घाटन करने के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि विकास की दिल्ली में बहार आ गयी है। राष्ट्रीय राजधानी को चमकाने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं और यह खूबसूरत पार्क (जी20 पार्क - कौटिल्य मार्ग) उसी दिशा में एक प्रयास है। इस पार्क में जी20 देशों के पक्षियों की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। यह पार्क दिल्लीवासियों के लिए एक उपहार है। दिल्ली एक उपेक्षित शहर रहा है और इसे नए विषयों और चीजों के माध्यम से सुंदर बनाने का प्रयास किया गया है।पालिका परिषद ने ललित कला अकादमी के सहयोग से 9 से 10 सितंबर, 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में उनकी भागीदारी के सम्मान में जी20 सदस्यों के जानवरों और पक्षियों की स्क्रैप धातु से बनी 22 कलाकृतियां स्थापित की हैं। जी20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' (वसुधैव कुटुंबकम) की थीम पर आधारित कलाकृतियां आगंतुकों के लिए खोली जा रही हैं।

दिल्ली को दुनिया का नंबर 1 शहर बनाने के लिए केजरीवाल सरकार का साथ देगी सीआईआई

नई दिल्ली। दिल्ली को दुनिया का नंबर 1 शहर बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सपने को साकार करने के लिए सीआईआई दिल्ली सरकार का साथ देगी। सोमवार को दिल्ली सचिवालय में केजरीवाल ने द कॉन्फडेरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के साथ बैठक कर दिल्ली में प्रदूषण, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।सीआईआई ने इन क्षेत्रों में दिल्ली सरकार का साथ देने का प्रस्ताव रखा है। केजरीवाल ने कहा कि चीन व दुबई में क्लाउड सिडिंग तकनीक इस्तेमाल की जा रही है, उसी तर्ज पर दिल्ली में खासकर ठंड के तीन महीने के दौरान इसकी संभावना देखेंगे। दिल्ली सरकार द्वारा सड़कों के सुंदरीकरण कार्य में सीआईआई अपने सीएसआर फंड से सहयोग करेगा।

इस दौरान सीआईआई ने नए उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए इंडस्ट्रीयल व कामर्शियल भूमि के सर्किल रेट कम करने का अनुरोध किया। जिस पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजस्व मंत्री आतिशी को सर्किल रेट तर्क संगत बनाने पर काम करने का निर्देश दिया है। बैठक में राजस्व मंत्री आतिशी, उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज, डीडीसी के उपाध्यक्ष जस्मीन शाह, सीआईआई दिल्ली के चेयरमैन पुनीत कौर के अलावा हर्ष बंसल, जयदीप आहुजा, रचना जिंदल मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल पर चलते ट्रक में लगी आग, ड्राइवर, क्लीनर ने कूद कर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा। ईस्टर्न पेरिफेरल पर मंगलवार सुबह एक ट्रक में भीषण आग लग गई। इसके बाद ट्रक ड्राइवर और क्लीनर ने ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई और इसकी सूचना लोकल पुलिस और फायर विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची फायर विभाग की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गनीमत रही कि जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।फायर विभाग गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को तड़के करीब 3:11 बजे ईस्टर्न पेरिफेरल पर दनकौर कट के पास मोरना से नोएडा आते समय रोड पर चलते ट्रक के पिछले टायर में घर्षण के कारण आग लग गई।

आग लगते ही पूरे ट्रक में फैल गई।क्योंकि ट्रक में रखें सरसो के तूरी की गड्डियों में आग पहुंच गई थी। इसके बाद ट्रक ड्राइवर और क्लीनर ने ट्रक को किसी तरह से रोका और कूद कर अपनी जान बचाई। इसके बाद इस अग्निकांड की सूचना फायर विभाग को दी गई। सूचना पर त्वरित कारवाई करते हुऐ फायर सर्विस यूनिट घटना स्थल पर पहुंची और 3 गाड़ियों की मदद से आग को कड़ी मशक्कत के बाद बुझा दिया गया। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई।

राष्ट्रपति भवन के निमंत्रण पत्र में 'दि प्रेसीडेंट ऑफ

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में जी-20 के अवसर पर राष्ट्रपति भवन द्वारा आयोजित रात्रिभोज के अंग्रेज़ी के निमंत्रण पत्र में इंडिया' नाम हटा कर 'भारत' लिखा गया है जिसे लेकर विपक्ष एवं सत्तापक्ष में वाद विवाद आरंभ हो गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शनिवार नौ सितंबर को भारत मंडपम् में मल्टी फंक्शन हॉल में आयोजित रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र को साझा किया जिसमें अंग्रेज़ी में 'दि प्रेसीडेंट ऑफ भारत' लिखा गया है। श्री थरूर ने कहा, 'हालांकि भारत को 'भारत' कहने में कोई संवैधानिक आपत्ति नहीं है, जो देश के दो आधिकारिक नामों में से एक है, मुझे उम्मीद है कि सरकार इतनी मूर्ख नहीं होगी कि 'इंडिया' से पूरी तरह से छुटकारा पा ले, जिसकी सदियों से बनी बहुत बड़ी ब्रांड वैल्यू है। हमें इतिहास के उस नाम पर अपना दावा छोड़ने के बजाय दोनों शब्दों का उपयोग जारी रखना चाहिए, एक ऐसा नाम जिसे दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है।'

कांग्रेस ने जी-20 आमंत्रण पत्र में 'भारत' लिखने पर उठाया सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की तरफ से जी-20 सम्मेलन के लिए मेहमानों को भेजे गये आमंत्रण पत्र में 'इंडिया' की जगह 'भारत' शब्द के प्रयोग को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' से जोड़ते हुए इसे मोदी सरकार का डर करार दिया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स कर कहा कि आमंत्रण पत्र में रिपब्लिक ऑफ 'इंडिया' के स्थान पर रिपब्लिक ऑफ 'भारत' का इस्तेमाल किया गया है और इससे साफ है कि मोदी सरकार विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' से डरी है इसीलिए 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा, जी-20 सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति द्वारा मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में रिपब्लिक ऑफ 'इंडिया' की जगह रिपब्लिक ऑफ 'भारत' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इंडिया से इतना डर। यह विपक्ष के लिए मोदी सरकार की नफरत है या एक डरे और सहमे हुए तानाशाह की सनक।

जी20 सम्मेलन के दौरान केवल एक ही मेट्रो स्टेशन यात्रियों के प्रवेश और निकासी के लिए रहेगा बंद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया था लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया है। केवल सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट बंद रहेंगे और बाकी मेट्रो स्टेशनों के दरवाजे यात्रियों के लिए

खुले रहेंगे।इससे पहले दिल्ली पुलिस ने डीएमआरसी को पत्र लिखकर 39 मेट्रो स्टेशनों के दरवाजे बंद रखने का अनुरोध किया था। इसका मकसद जी-20 सम्मेलन में आने वाले विदेशी मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इसमें शामिल स्टेशन वे थे, जिनके आसपास से वीवीआईपी काफिला गुजरता, मेहमान नेता ठहरते। अब दिल्ली पुलिस के नए आदेश के मुताबिक दिल्ली मेट्रो के लिए नई गाइडलाइन यह है कि यात्रियों का प्रवेश और निकास केवल सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर ही प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि मेट्रो यहां से गुजरती रहेगी।

विरोधियों को भी मानता हूं अपना गुरुः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिक्षक दिवस पर गुरुजनों को नमन करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर नमन किया और कहा कि वह विरोधियों को भी अपना गुरु मानते हैं।

श्री गांधी ने पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा वह अपने कामों को लेकर विरोधियों की आलोचना से भी सीख लेते हैं और उन्हें भी अपना गुरु मानते हैं।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर सभी गुरुजनों को मेरा सादर नमन। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। गुरु का स्थान जीवन में बहुत ऊंचा होता है, जो आपके जीवन के मार्ग को प्रकाशित कर, सही दिशा में चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी, गौतम बुद्ध, नारायण गुरु जैसे महापुरुषों को गुरु मानता हूं, जिन्होंने हम सबको समाज में सर्वजन की समानता, और हर किसी के प्रति करुणा और प्रेम का ज्ञान दिया। भारत के लोग भी गुरु समान है, जो हमारे देश की विविधता में एकता का उदाहरण देते हैं, हर समस्या से हिम्मत के साथ लड़ जाने की प्रेरणा देते हैं, जो विनम्रता और तपस्या का साक्षात रूप हैं। उन्होंने कहा, अपने

विरोधियों को भी मैं अपना गुरु ही मानता हूं, जो अपने आचरण से, अपने झूठों से, अपनी बातों से मुझे ये सिखाते हैं कि मैं जिस रास्ते पर चल रहा हूं वो बिल्कुल सही है और इस पर आगे बढ़ते रहने के लिए हर कीमत कम है।

महिला को नग्न घुमाने की घटना पर राजस्थान को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) भारत ने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक गर्भवती महिला को उसके परिवार के सदस्यों द्वारा पीटने और नग्न घुमाने की कथित घटना पर राज्य सरकार को नोटिस भेज कर चार सप्ताह में कृत कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि उसने इस मामले में मीडिया की एक खबर पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार 31 अगस्त को उक्त महिला को उसके परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर पीटा गया और गांव में नग्न घुमाया गया। उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

विज्ञप्ति के अनुसार आयोग ने कहा है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री यदि सच है, तो यह पीड़िता के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। आयोग ने राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद की जा रही जांच की स्थिति की जानकारी भी मांगी गयी है। राज्य सरकार से पीड़ित महिला की स्वास्थ्य स्थिति और प्रशासन द्वारा उसे प्रदान किए गए मुआवजे, यदि कोई के बारे में भी जानकारी मांगी गयी है।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार गत 02 सितंबर को महिला एक व्यक्ति के साथ पास के गांव में गई थी, जहां से उसके परिवार के सदस्य उसे वापस ले आए और उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया। कथित तौर पर पीड़ित महिला मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन लोगों ने मदद के लिए आगे आने के बजाय उसका वीडियो बनाना बेहतर समझा।

जी20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख आकर्षणों में होगा डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन

नई दिल्ली। राजधानी में इस सप्ताह शुरू हो रहे 18वें जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मेहमानों के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले आकर्षणों में डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन भी एक प्रमुख आकर्षण होगा। यहां भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल सार्वजनिक सुविधाओं की प्रगति के साथ आगंतुक एक कियोस्क श्रीमद्भगवत गीता के दर्शन के आलोक में जीवन से जुड़े सवालों के जवाब भी पा सकते हैं।

इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य प्रतिनिधियों कोभारत में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और महत्वपूर्ण जनसंख्या पैमाने पर लागू डिजिटल परिवर्तन की सफलता का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

जी20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर के बीच प्रगति मैदान के नव निर्मित अत्याधुनिक भारत मंडपम अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन परिसर में आयोजित किया जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार वैश्विक हितधारकों को स्केलेबल और अनुकरणीय परियोजनाओं के बारे में जागरूक बनाने तथा आगंतुकों को डिजिटल प्रौद्योगिकी की शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव कराने में अनूठा अवसर प्रदान करने के लिए इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय प्रगति मैदान में हॉल 4 और हॉल 14 में दो अत्याधुनिक डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन स्थापित कर रहा है।

अधिकारियों के अनुसार भारत इस सम्मेलन के लिए आने वाले राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार है। यह शिखर सम्मेलन भारत की अध्यक्षता में एक वर्ष से पूरी की जारी सभी जी20 प्रक्रियाओं और देश भर में आयोजित बैठकों का निष्कर्ष प्रस्तुत करेगा। आयोजन से पहले हुई बैठकों में सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और संगठनों के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने विविध विषयों पर सुगठित तरीके से वार्ताएं की हैं और प्रस्तावों के मसौदे तैयार किए हैं। नयी दिल्ली शिखर सम्मेलन के समापन पर जी20 नेताओं की घोषणा स्वीकार की जाएगी। नेताओं की घोषणा में संबंधित मंत्रिस्तरीय और कार्य समूह की बैठकों के दौरान चर्चा की गई और सहमत प्राथमिकताओं के प्रति नेताओं की प्रतिबद्धता का उल्लेख होगा।

डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन का उद्देश्य विश्व स्तरीय पहलों का प्रदर्शन करना है जो निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करती हैं:जीवन की सुगमता, व्यवसाय की सुगमता, राजकाज में सुगमता। डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का खजाना है, जो डिजिटल इंडिया की महत्वपूर्ण पहलों में ज्ञान और अंतर्दृष्टि से भरा हुआ है। डीपीआई को लागू करने में श्रेष्ठ व्यवहारों को दिखाने के लिए आधार, डिजीलॉकर, यूपीआई, ई-संजीवनी, दीक्षा, भाषिणी और ओएनडीसी जैसी सात प्रमुख पहलों का चयन किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि यह प्रदर्शनी एक गहन अनुभव प्रदान करेगी, जिससे आगंतुकों को भारत में डीपीआई रिपॉजिटरी का पता लगाने और वैश्विक समुदाय की बेहतरी के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

इस प्रदर्शनी में आधार फेस ऑथेंटिकेशन सॉफ्टवेयर , यूपीआई मोबाइल ऐप की सुविधा, क्यूआर कोड को स्कैन करके मामूली भुगतान के साथ सहज लेनदेन के तरीके को दर्शाया जाएगा।

कानपुर के पूर्व प्रधानाध्यापक की हत्या के दो आरोपी एनआईए अदालत में दोषी करार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से दाखिल मामलों की सुनवायी करने वाली विशेष अदालत ने कानपुर के एक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक की हत्या के सिलसिले में दो व्यक्तियों को दोषी पाया है।

यह मामला 24 अक्टूबर 2016 का है जबकि सेवानिवृत्त प्रधानाधापक की कानपुर में एक गांव के पास घेर कर हत्या कर दी गयी थी। उस समय वह साइकिल से घर लौट रहे थे। एनआईए की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन दोनों ने इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) की आतंकवादी योजनाओं को फैलाने की साजिशों को आगे बढ़ाते हुए यह हत्या की थी। एनआईए की यहां जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि लखनऊ स्थित एनआईए अदालत ने अभियुक्त आतिफ मुजफ्फर और मोहम्मद फैसल खान को दंड विधान की धारा 302, 34 और 120 ख , गैरकानूनी गतिविधि (निवारक) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16(1)क और 18 तथा सस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25 और 27 के अंतर्गत दोषी पाया है।

न्यायालय इन्हें इनके अपराधों के लिए11 सितंबर को सजा सुनाएगा। दोनों कानपुर नगर के निवासी हैं। दोनों अपराधियों ने स्वामी आत्मप्रकाश ब्रहम्मचारी जूनियर हाईस्कूल, कानपुर के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राम बाबू शुक्ला की 24 अक्टूबर 2016 को हत्या कर दी। श्री शुक्ल साइकिल से घर लौट रहे थे। जांच एजेंसी के अनुसार दोनों ने उन पर कानपुर में पियोंडी गांव के पास हमला किया था।

आतंकवादी वारदात की जांच करने वाली केंद्रीय एजेंसी एनआईए की ओर से जांच के बाद इस मामले में 12 जुलाई 2018 को आरोप-पत्र दायर किया गया था। एजेंसी ने जांच में पाया कि दोनों को आईएसआईएस की सोच का जहर भरा गया था और वे काफिरों की हत्या करना चाहते थे।

इनके साथ इनका एक और साथी आतंकवदी मोहम्मद सैफुला भी था जो उत्तर प्रदेश आतंकरोधी कार्यबल (एटीएस) के साथ एक मुठभेड़ में सात मार्च 2017 को मारा गया। एनआईए ने कहा कि अभियुक्त आईएसआईएस की विचारधारा में प्रशिक्षित किए गए थे और वे भारत में जिहाद के लिए आतंक फैलाना चाहते थे।यह मामला सर्व प्रथम 24 अक्टूबर 2016 को कानपुर में चकेरी थाना में प्रकरण संख्या 884/2016 के रूप में दर्ज किया गया था।

गाजियाबाद में कुख्यात महबूब अली की 91 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क, पहले हुई थी 86 करोड़ की कुर्क

गाजियाबाद । गाजियाबाद अचल संपतियों को गैंगस्टर अली वर्तमान में ट्रोनिका सिटी पुलिस ने कृषि और आबादी की जमीनों पर कब्जा कर प्लाटिंग करने वाले कुख्यात आरोपी महबूब अली पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए 91 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। इससे पहले भी महबूब अली की 86 करोड़ की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं।

कुख्यात भूमाफिया महबूब अली ट्रोनिका सिटी के सादिकपुर थाना क्षेत्र के पावी गांव का रहने वाला है। महबूब अली के खिलाफ 2008 से अगस्त 2023 के बीच धोखाधडी, मारपीट, अपहरण, जमीन पर कब्जा करने, गुंडा और गैंगस्टर अधिनियम के कुल 20 मामले दर्ज हैं।

भूमाफिया की कुल 109 अधिनियम की धारा 14 (1) के तहत कुर्क किया गया है। महबूब अली मुख्य रूप से धोखाधड़ी करके जमीनों की खरीद-फरोख्त करने और खाली जमीनों पर अवैध कब्जा करना जैसे मामलों में संलिप्त था। गैंगलीडर महबूब थाना का हिस्ट्रीशीटर भी है।

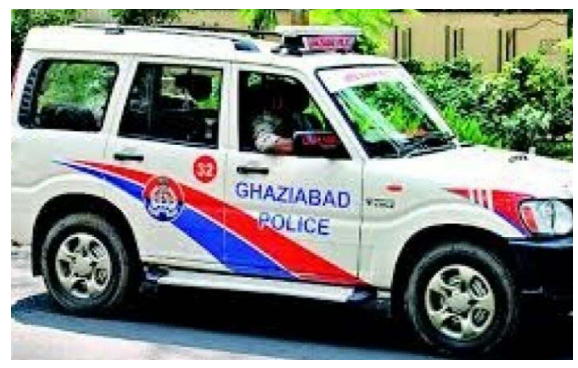

अभियुक्त ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में अपने तीन अलग-अलग बहुमंजिला मकानों में तीन अलग-अलग पत्नियों के साथ रहता है। उसके परिवार में पत्नियों के अतिरिक्त 12 संताने हैं।

गाजियाबाद से दिल्ली आने-जाने वाले हो जाएं सावधान, जी-20 को लेकर यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। गाजियाबाद। जी-20 के आयोजन को देखते हुए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने भी ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है। मालवाहक वाहनों की एंट्री पर पूरी तरीके से तीन दिनों के लिए बैन लगा दिया गया है।पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 18वां जी-20 शिखर सम्मेलन प्रस्तावित है। जिसमें आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भाग लेंगे।इसे देखते हुए विभिन्न मार्गों से आकर गाजियाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी मालवाहनों / मध्यम माल वाहनों / हल्के माल वाहनों को 7 सितंबर शाम 7 बजे से 10 सितंबर को कार्यक्रम के खत्म होने तक डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक विभाग ने जो डायवर्सन किया है, उसके मुताबिक दिल्ली के बाहरी प्रदेशों से आने वाली गाड़ियों का प्रवेश दिल्ली सीमा में पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। सभी भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन अनिवार्य रूप से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 91 अर्थात बुलंदशहर की ओर से आने वाले वाहन लाल कुआं से दिल्ली की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन लाल कुआं से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 9 से होकर ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग करके अपने गंतव्य को जाएंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 9 अर्थात हापुड़ की ओर से आने वाले वाहन डासना, ईस्टर्न पेरीफेरल, डासना इंटरसेक्शन से आगे दिल्ली की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन डासना इंटरसेक्शन से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 34 (पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 58) पर मेरठ की ओर से आने वाले वाहन दुहाई से आगे गाजियाबाद की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन दुहाई से ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 709बी पर सहारनपुर डूब बागपत की ओर से आने वाले वाहन पेरीफेरल से आगे लोनी / दिल्ली की ओर नहीं जा सकेंगे। उपरोक्त भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे।

आवश्यक वस्तु सेवा अधिनियम के अन्तर्गत आवागमन करने वाले वाहन (दूध, सब्जी, फल, चिकित्सा आपूर्ति) दिल्ली की सीमा में प्रवेश कर आवागमन कर सकेंगे।

गाज़ियाबाद से दिल्ली में प्रवेश करने वाले स्थानों 1. यूपी गेट गाजीपुर बॉर्डर, 2. सीमापुरी बॉर्डर, 3. तुलसी निकेतन बॉर्डर, 4. लोनी बॉर्डर, 5. खजूरी पुस्ता मार्ग से सभी प्रकार के भारी माल वाहन / मध्यम माल वाहन / हल्के माल वाहनों का प्रवेश दिल्ली में पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित, राहुल ओर अय्यर को मौका

-सैमसन को नहीं मिली जगह, शुभमन और ईशान सहित 6 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को एकदिवसीय विश्वकप 2023 के लिए रोहित शर्मा की कप्तानी में 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। कप्तान रोहित और मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर ने टीम के सदस्यों के नाम घोषित किये। इस टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। इससे पहले इनकी फिटनेस को लेकर संदेह जताया जा रहा था। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है। विश्वकप का आयोजन भारत में 5 अक्टूबर से होगा। इसका उद्घाटन और फाइनल अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम में शामिल 6 खिलाड़ी पहली बार एकदिवसीय विश्वकप खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। अक्षर को पहली बार विश्व कप का कोई मैच खेलने मिल सकता है। वह 2015 में उतरने वाली टीम में भी शामिल थे पर उन्हें किसी भी मैच में अवसर मिला था। विराट कोहली सहित टीम में शामिल 4 खिलाड़ी 3 या उससे अधिक बार विश्वकप में खेलते हुए दिखेंगे।

गेंदबाज के तौर पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद शमी जबकि स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को मिली है। वहीं ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और शार्दुल ठाकुर को शामिल किया गया है। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रोहित के अलावा शुभमन, विराट, श्रेयस , सूर्यकुमार , राहुल और ईशान पर रहेगी।

विराट का का यह चौथा विश्व कप होगा। वर्ल्ड कप के लिहाज से वे टीम इंडिया के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2011, 2015 और 2019 का भी विश्वकप खेला था। रोहित शर्मा, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का यह तीसरा विश्वकप होगा। तीनों ही खिलाड़ी 2015 और 2019 वर्ल्ड कप में उतर चुके हैं। विश्वकप कप के लिए घोषित टीम में हालांकि सैमसन को अवसर नहीं मिला। ईशान और राहुल विकेटकीपर के तौर पर टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। वहीं आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी टीम में जगह मिली है।

15 सदस्यीय टीम की बात करें, तो सिर्फ विराट ही खिताब विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। ऐसे में अन्य 14 खिलाड़ियों के पास पहली विश्वकप जीतने का अवसर है। भारतीय टीम ने 1983 और 2011 में विश्वकप जीता है। भारतीय टीम ने साल 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में अंतिम बार विश्वकक जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया ने सबसे अधिक 5 बार ये खिताब जीता है। वेस्टइंडीज ने भी 2 बार जबकि श्रीलंका, पाकिस्तान और इंग्लैंड एक-एक बार से खिताब जीता है। वेस्टइंडीज की टीम इस बार क्वालिफाई नहीं कर पायी है जबकि इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है.

विश्व कप 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें उतर रही हैं। सभी टीम को 9-9 मैच खेलने हैं। इसके बाद शीर्ष-4 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी। कुल 10 वेन्यू पर मैच होने हैं. उद्घाटन मैच, भारत-पाकिस्तान का मुकाबला और फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। सेमीफाइनल 15 और 16 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल

48 मैच खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

सुपर फोर में 10 सितंबर को होगा भारत और पाक का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की टीमें एशिया कप के सुपर फोर में पहुंच गयी हैं। यहां एक बार फिर दोनो के बीच मुकाबला होगा। इससे प्रशंसकों को एक बार फिर दोनो के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। इससे पहले 2 सितंबर को भारत और पाक का मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था जिससे प्रशंसकों को निराशा हुई थी। इससे उनके रोमांचक क्रिकेट देखने की उम्मीदें टूट गयीं थीं।सुपर फोर के मुकाबले बुधवार से शुरु होंगे। भारत और पाकिस्तान के अलावा बची हुई दो टीम का फैसला अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच के परिणाम के आधार पर होगा।

भारत-पाक के बीच अब 10 सितंबर को मुकाबला होगा। ये मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा। वहीं अगर बारिश हुई तो इस मैच को हम्बनटोटा में स्थानांतरित किया जा सकता है। केवल ये ही मुकाबला नहीं। कोलंबो में सुपर-4 राउंड के 4 और मुकाबले होने हैं, उन्हें भी हम्बनटोटा में आयोजित किया जा सकता है। इसका कारण है कि श्रीलंका के दक्षिणी हिस्से में बसे इस शहर में सितंबर में बारिश की संभावना कम होती है।

गौरतलब है कि एशिया कप 2023 में सुपर-4 राउंड के मैच 6 सितंबर से शुरू होंगे। इसका पहला मैच ग्रुप-ए में पहले स्थान पर रहने वाली टीम पाकिस्तान और ग्रुप-बी में दूसरे नंबर की टीम के बीच होगा। इसके बाद 9 सितंबर को ग्रुप-बी की शीर्ष दो टीमों के बीच सुपर-4 राउंड का दूसरा मैच होगा। 10 सितंबर को ग्रुप-ए की दो टीमें भारत और पाक आमने-सामने होंगी। 12 सितंबर को सुपर-4 मैच में भारतीय टीम का सामना ग्रुप-बी की शीर्ष टीम से होगा जबकि 14 सितंबर को पाकिस्तान सुपर-4 में ग्रुप बी की शीर्ष टीम से खेलेगी। वहीं, 15 सितंबर को भारत का मुकाबला ग्रुप-बी की दूसरे नंबर की टीम से होगा। वहीं फाइनल 17 सितंबर को होगा।

पहले दो मैचों से हमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवस

कैंडी (ओमान) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने नेपाल को हराकर एशिया कप के सुपर फोर में प्रवेश कर लिया है। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान रोहित शर्मा और और शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाये। रोहिन हलांकि अपनी बल्लेबाजी को लेकर संतुष्ट नजर नहीं आये। उन्होंने कहा कि वास्तव में मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश नहीं था। शुरुआत में कुछ घबराहट थी लेकिन एक बार जब मेरी नजर टिकी तो खेलना आसान हो गया।

रोहित ने कहा कि जब हम यहां आए तो हमें पता था कि विश्व कप के लिए हमारी टीम कैसी होने वाली है। एशिया कप के दो मैचों में हमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवसर मिला है। उन्होंने हार्दिक पंड्या और ईशान किशन की सराहना करते हुए कहा दोनो ने ही पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की। साथ ही कहा कि हमें गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में और सुधार करना होगा।

वहीं नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा कि उनकी टीम के सलामी बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया हालांकि मध्य क्रम और बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। हमने 30 रन कम बनाए और यदि मध्य क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो हम 260-270 बना थे। हमारे निचले क्रम के साथ ही गेंदबाजों ने भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है।

दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप के लिए घोषित की टीम, बावुमा करेंगे कप्तानी

-इसी साल पदार्पण करने वाले कोएट्ज़ी भी शामिल

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी उसके नियमित एकदिवसीय कप्तान टेम्बा बावुमा को मिली है। टीम में इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को शामिल किये जाने से सभी हैरान हैं। अब तक अपने दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोएट्ज़ी ने पांच विकेट लिए हैं। इसमें से तीन विकेट उन्होंने अपने एकदिवसीय पदार्पण पर ही लिए थे।

टीम में क्विंटन डी कॉक, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर और रासी वैन डेर डुसेन जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को भी जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान कगिसो रबाडा संभालेंगे। इसके साथ ही टीम में एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी जैसे अन्य तेज गेंदबाजों को भी शामिल किया गया है। उपमहाद्वीप के हालातों में स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए केशव महाराज और तबरेज शम्सी को शामिल किया है। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला

विश्व कप मुकाबला 7 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में श्रीलंका से खेलेगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है

टेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, सिसंडा मगाला, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन।

एशिया कप में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने जडेजा

कैंडी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने नेपाल के साथ एशिया मुकाबले में नेपाल के खिलाफ तीन विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। अब जडेजा पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान के साथ एशिया कप में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। जडेजा ने एशिया कप के 16 मैचों में 24.77 की औसत से 22 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 29 रन देकर चार विकेट रहा है। वहीं पठान ने अपने करियर के दौरान 12 एकदिवसीय एशिया कप मैचों में 27.50 की औसत से 22 विकेट लिए थे। एशिया कप में सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने कुल30 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर लसिथ मलिंगा 29 विकेट और अजंता मेंडिस 26 विकेट हैं।

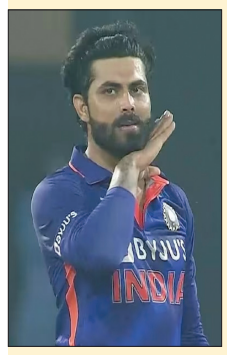

विश्व कप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे डी कॉक

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर क्विंटन डी कॉक ने कहा है कि वह इस साल के अंत में भारत में होने वाले विश्वकप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। गत दिनों ही विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक ने ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में एक करार किया था। डी कॉक जैसे स्टार बल्लेबाज की इस घोषणा से उनके प्रशंसकों को भी करारा झटका लगा है। डिकॉक ने अब तक 140 एकदिवसीय मैच में 44.85 के औसत से 5966 रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 17 शतक और 29 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रनों का है। इस विश्व कप में डिकॉक अपने एकदिवसीय करियर के 6 हजार रन भी पूरे कर सकते हैं। क्रिकेट विश्व कप के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम के साथ उन्हें भारत आना था पर संन्यास की घोषणा के बाद अब वह नहीं आयेंगे। डिकॉक ने भारत के खिलाफ 19 एकदिवसीय में 56 की औसत से 1072 रन बनाए हैं जिसमें 6 शतक और दो अर्धशतक भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला विश्व कप मुकाबला 7 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में श्रीलंका से खेलेगा। अपना अंतिम विश्वकप होने के कारण यह विकेटकीपर बल्लेबाज बेहतरीन प्रदर्शन का प्रयास करेगा।

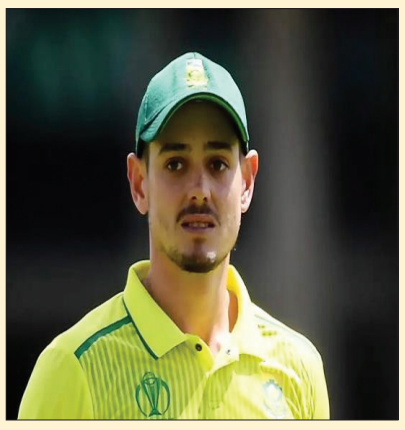

सुपर फोर में पाक तेज गेंदबाजों के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाएगी भारतीय टीम: राठौड़

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि हमारे बल्लेबाज पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के खिलाफ बड़े स्कोर बनाने में सक्षम है। राठौड़ ने 10 सितंबर को सुपर फोर में पाक के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले ये बात कही। एशिया कप के अपने पहले ही मैच में भारतीय शीर्ष क्रम शाहीन आफरीदी और हारिस रऊफ जैसे तेज गेंदबाजों के सामने विफल रहा था। उसके बाद से ही कहा जा रहा था कि भारतीय बल्लेबाज इस मैच में दबाव में आ गये थे। बल्लेबाजी कोच ने कहा, 'हम सुपर चार के मैच में बेहतर बल्लेबाजी करेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैच में हालात अलग थे। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सकते। यह सही है कि उनके पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और के

किसी दिन हमपर हावी हो जाते हैं पर जब हमें अच्छी शुरुआत मिलती है तो हमारे बल्लेबाज भी बड़ा स्कोर बनाते हैं।

पहले मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और हार्दिक पांड्या की शतकीय साझेदारी से भारत 266 रनों तक पहुंच पाया था। बारिश के कारण यह मैच पूरा नहीं हो पाया था। राठौड़ ने कहा कि भारत के लिए यह अच्छा संकेत है कि उसके पास मध्यक्रम में चयन के लिए ईशान और केएल राहुल के रूप में दो अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, 'ईशान ने पाक के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की। केएल राहुल पिछले दो वर्षों से टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। यह अच्छी समस्या है। हमारे पास चयन के लिए दो अच्छे खिलाड़ी हैं। दो संघर्षरत बल्लेबाजों के बजाय ऐसे खिलाड़ियों में से किसी का चयन करना बेहतर है।

राठौड़ ने कहा कि भारत अंतिम एकादश में चार विशेषज्ञ गेंदबाजों या तीन गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर को रखने का फैसला हालातों को देखते हुए लेगा। उन्होंने कहा, 'शार्दुल ठाकुर की मौजूदगी में बल्लेबाजी को गहराई मिलती है और वह गेंदबाजी भी कर सकता है।

विश्वकप के लिए टिकटों की हो रही कालाबाजारी , लाखों में पहुंची कीमतें

नई दिल्ली । आगामी एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले के लिए टिक्टों की धांधली के कारण दाम आसमान पर पहुंच गये हैं। विश्वकप में 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। हाल में ही ही इसके लिए टिकट की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हुई पर कुछ ही देर में सभी टिकट बिक गये। एक रिपोर्ट के अनुसार वायागोगो नामक बेवसाइट पर 100 से ज्यादा टिकट उपलब्ध हैं। इस ऑनलाइन स्पोर्ट्स टिकट बिक्री प्लेटफॉर्म पर टिकट 19 लाख से ज्यादा में बिक रहे हैं। इसके साथ ही शिपिंग और होम डिलिवरी के लिए लोगों को अलग से पैसे देने होंगे। इससे साफ है कि टिकट खरीदना आम आमदी के बस की बात नहीं है। इसमें भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए टिकट की कीमत 66 हजार से शुरू होकर 19 लाख तक पहुंची है। इसके साथ ही टिकट की कीमतें भी बार-बार बदल रही हैं। लखनऊ में होने वाले भारत और इंग्लैंड के मैच के लिए टिकट की की शुरुआती कीमत 2 लाख 34 हजार रुपये है। वहीं दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले भारत और अफगानिस्तान के मैच की टिकट 38,877 रुपये में मिल रही है। सबसे महंगा टिकट 2 लाख 34 हजार का है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के मैच के टिकट 41 हजार से 2 लाख 85 हजार तक में मिल रहे हैं। गौरतलब है कि बुक माय शो विश्व कप टिकट के लिए आधिकारिक साझीदार था पर टिकट ब्रिकी शुरू होते ही वहां भी टिकटों के लिए वेटिंग दिखने लगी। टिकट खरीदने के लिए ऐप या बेवसाइट पर जाने के बाद 2 से 5 घंटे तक वेटिंग दिखाया जा रहा था। फिर कुछ ही देर में सोल्ड आउट आने लगा। जिसके बाद भड़के प्रशंसकों ने अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर निकाला। नाराज प्रशंसकों का कहना था कि एक लाख से ज्यादा की क्षमता वाले स्टेडियम में बिक्री के लिए 10 हजार से भी कम टिकट रखे गए थे।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शायद ही खेलें मैक्सवेल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अपने भारत दौरे में शायद ही एकदिवसीय सीरीज खेलें। मैक्सवेल विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस को लेकर किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। इसी कारण वह सावधानी के कारण ये फैसला कर सकते हैं। मैक्सवेल को पिछले साल बायें टखने में चोट लगी थी जिससे अब वह उबर गये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में उन्हें टखने में फिर दर्द का अनुभव हुआ था। उसके बाद से ही वह डरे हुए हैं।

मैक्सवेल ने सोशल मीडिया में लिखा, 'मैं भारत के खिलाफ श्रृंखला के कुछ हिस्से में खेलना चाहता हूं पर मुझ पर इसे लेकर प्रबंधन का कोई दबाव नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप से पहले तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत

आयेगी। इसकी शुरुआत 22 सितंबर को मोहाली में होने वाले मुकाबले से होगी। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और स्टाफ मेरा काफी सहयोग कर रहे हैं। वे मुझ पर ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहते कि मैं किसी तरह की तारीख तय करूं।

मैक्सवेल ने कहा, 'इसलिए खेलने में जल्दबाजी करने की जगह मैं अपने को अतिरिक्त समय देना चाहता हूं जियसे ये तय कर सकूं कि हम पूरे टूर्नामेंट में खेल सकें। सभी टीमों को विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा पांच सितंबर तक करनी है हालांकि 27 सितंबर तक टीम में बदलाव किये जा सकेंगे। पिछले साल नवंबर में जन्मदिन की पार्टी में मैक्सवेल फिसल गये थे। जिससे उनके बायें पैर में फ्रेक्चर हो गया था और इसी कारण उनके पैर में धातु की प्लेट डली हुई है। टखने में दर्द के कारण टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद ही उन्हें दक्षिण अफ्रीका से वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'जब मैं दक्षिण अफ्रीका गया तो मुझे नहीं पता था कि इसमें दर्द होगा। मैं जब उस दिन ट्रेनिंग के लिए गया था तो भी ठीक था। कुछ भी नहीं हो रहा था। लेकिन फिर मेरे टखने में सूजन और दर्द होने लगा।

न्यूजीलैंड के कोच बोले, विश्वकप में खेलेंगे विलियमसन

वैलिंगटन । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि कप्तान केन विलियमसन विश्वकप में खेलेंगे। स्टीड ने कहा कि आईपीएल के दौरान लगी घुटने की चोट से अब विलियमसन उबर गये हैं। उन्होंने कहा कि कप्तान ने वापसी के लिए काफी प्रयास किये थे जो सफल रहे। स्टीड ने कहा कि विलियमसन ने अपने पुनर्वास के लिए समर्पित रुप से अभ्यास किया। इस दौर उन्हें विशेषज्ञों के एक समूह का भी सहयोग मिला। स्टीड ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हम उसे चयन से उत्साहित हैं। वह जल्दी में लौटने की इच्छा नहीं रखते हैं। जैसा कि हमने पहले कहा है, यह बहुत अच्छी बात है कि वह लंबे समय तक न्यूजीलैंड के लिए क्रिकेट खेलना चाहता है। हम भी उसकी रिकवरी में सहायता करना चाहते हैं। विश्व कप कोई छोटा टूर्नामेंट नहीं है और इसी को देखते हुए हम टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से पहले अगले महीने उनकी प्रगति का ध्यान रखेंगे। विलियमसन इंग्लैंड दौरे पर न्यूजीलैंड टीम के साथ हैं, हालांकि वह टीम में शामिल नहीं हैं। घुटने की सर्जरी से उबरने के बाद अब विलियमसन को उम्मीद रहेगी कि वह विश्व कप की शुरुआत से ही खेल सकेंगे।

सहवाग का बीसीसीआई से आग्रह, विश्व कप जर्सी पर 'इंडिया' के बजाय भारत लिखो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने मंगलवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) से आग्रह किया कि आगामी वनडे विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों की जर्सी पर 'इंडिया' के बजाय 'भारत' लिखा जाए। सहवाग ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को 'टैग' करते हुए सुझाव दिया कि खिलाड़ियों को ऐसी जर्सी पहननी चाहिए जिस पर 'भारत' लिखा हो।

सहवाग ने 'ट्विटर' पर लिखा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि नाम ऐसा होना चाहिए जो हममें गर्व पैदा करे। हम भारतीय हैं, 'इंडिया' नाम अंग्रेजों ने दिया था और आधिकारिक रूप से हमारा मूल नाम 'भारत' वापस लाने में लंबा समय हो चुका है। मैं बीसीसीआई (सचिव) जय शाह से यह आग्रह करता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि इस विश्व कप में हमारे खिलाड़ी अपनी छाती पर 'भारत' लिखी हुई जर्सी पहने।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'टीम इंडिया नहीं, टीम भारत। इस विश्व कप में जब हम कोहली, रोहित, बुमराह, जड्डू के लिए चीयर करेंगे तो हमारे दिल में भारत होगा और खिलाड़ी 'भारत' लिखी जर्सी पहनेंगे।'

सहवाग की यह टिप्पणी राष्ट्रपति भवन द्वारा 9 सितंबर को जी20 रात्रिभोज के लिए आमंत्रण भेजने के विवाद के बाद आई है जिसमें 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'प्रेसिडेंट ऑफभारत' लिखा है। कई राजनेता इस मुद्दे पर बयानबाजी कर रहे हैं। पर सहवाग ने अन्य देशों का भी उदाहरण दिया जिन्होंने अपने नाम में बदलाव किया है। उन्होंने लिखा, ''नीदरलैंड 1996 विश्व कप में भारत में 'हालैंड' के नाम से विश्व कप खेलने आया था। पर 2003 में जब हम उनसे मिले तो वे 'द नीदरलैंड' थे और तब से ऐसा ही है। बर्मा ने भी अंग्रेजों द्वारा दिये गये नाम को बदलकर म्यामां कर लिया।'

इस पूर्व धुरंधर सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'और भी कई अन्य देश हैं जिन्होंने अपना मूल नाम वापस रख लिया है।' खबर है कि केंद्र सरकार 18 से 22 सितंबर तक होने वाले संसद के विशेष सत्र में 'इंडिया' का नाम बदलकर भारत करने पर विचार कर रही है।

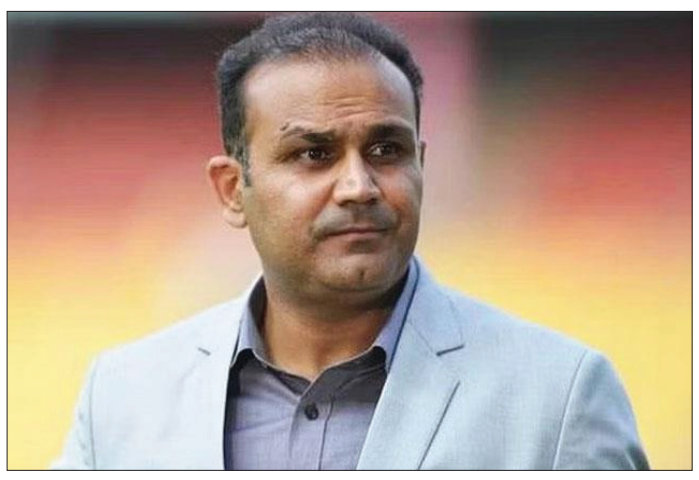

भारतीय महिला फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सक्षम -चौबे

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम ने हाल के दिनों में अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। जिससे वह दिन प्रति-दिन बेहतर होती जा रही है। इससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) भी खुश है। एआईएफएफ प्रमुख कल्याण चौबे ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि हमारी महिला टीम के पास अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में प्रगति करने का काफी अच्छा अवसर है। टीम कुछ और प्रयासों करे तो फीफा विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर सकती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी चौबे ने एआईएफएफ अध्यक्ष के तौर पर एक साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद से ही उन्होंने फुटबॉल के स्तर को सुधारने के काफी प्रयास किये हैं। चौबे ने कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि महिलाओं की फुटबॉल को वो सारी सुविधायें मिलें जो भारत में पुरुष फुटबॉलरों को मिलती है और मैं मानता हूं कि हमारे पास महिलाओं के फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते है, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन कोरोना संक्रमित

- जी20 समिट में भाग लेने के लिए आने वाली थीं भारत

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन भारत में होने वाले जी20 समिट में शामिल होने वाले थे। वहीं भारत आने से दो दिन पहले ही फर्स्ट लेडी जिल बाइडन कोरोना संक्रमित पाई गई है। हालांकि राष्ट्रपति बाइडेन की रिपोर्ट निगेटिव है। जी20 सम्मेलन इस साल 9 और 10 सितंबर को भारत की राजधानी दिल्ली में होने वाला है और जो बाइडन 7 सितंबर को भारत आने वाले थे, साथ में उनकी पत्नी और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन ने भी आना था लेकिन उससे पहले उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि फर्स्ट लेडी ऑफिस का कहना है कि उनमें कोविड के कोई लक्षण नहीं है। जिल बाइडन अब डेलावेयर स्थित अपने आवास पर आइसोलेशन में रहेंगी। बता दें कि इससे पहले 16 अगस्त को साउथ कैरोलिना में राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ छुट्टियां मनाने के दौरान भी 71 वर्षीय जिल बाइडेन कोरोना संक्रमित पाई गई थीं और उन्हें 5 दिन तक क्वारंटाइन में रही थीं। व्हाइट हाउस की ओर से बताया गया कि राष्ट्रपति बाइडन 8 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा 9-10 सितंबर को जी-20 सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां वह जी-20 के अन्य साझेदारों के साथ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

सूडान संघर्ष से 48 लाख लोग विस्थापित हुए : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

खार्तूम । मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा है कि सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक सहायता बल (आरएसएफ) के बीच संघर्ष के कारण अप्रैल के मध्य से सूडान के अंदर और बाहर लगभग 4.8 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओसीएचए ने अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि लगभग दस लाख लोग पड़ोसी देशों में चले गए हैं। इसमें कहा गया है कि चार महीने से अधिक समय पहले सूडान में संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम दो मिलियन बच्चे अपने घरों से भाग गए हैं। इससे पहले सोमवार को यूएनएचसीआर ने सूडान में चल रहे संघर्ष से 2023 के अंत तक पांच पड़ोसी देशों में आने वाले 1.8 मिलियन से अधिक लोगों को आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए 1 बिलियन डॉलर मदद की अपील की थी। सूडानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सूडान में 15 अप्रैल से खार्तूम और अन्य क्षेत्रों में एसएएफ और आरएसएफ के बीच घातक सशस्त्र झड़पों में तीन हजार से अधिक लोग मारे गए और छह हजार से अधिक घायल हुए।

गर्भ में लड़की होने का मना रहे थे जश्न, अचानक प्लेन हुआ क्रैश

मेक्सिको । उत्तर अमेरिका के मेक्सिको में एक जोड़ा अपने मेहमानों के साथ गर्भ में लड़की होने का जश्न मना रहा था, कि अचानक उनके सामने ही प्लेन क्रेश हो गया। सैन पेड्रो शहर में एक जेंडर रिवील पार्टी उस समय भयावह बन गई जब बेखबर मेहमानों के सामने स्टंट कर रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान पाइपर पीए-25 का लेफ्ट विंग विफल हो गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। लेकिन खुशी का इजहार कर रहे लोगों को इस हादसे का पता तक नहीं चला और लोग गर्भवती महिला के ऊपर से पिंक कलर बिखरने वाले विमान का आनंद लेते रहे। इस हादसे से जुड़ा भयानक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में साफ और स्पष्ट नजर आ रहा है कि दंपती उत्साह से जश्न मना रहे हैं। होने वाले बच्चे के लिंग प्रकटीकरण पार्टी का आयोजन किया गया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, फुटेज में एक गर्भवती महिला को मुस्कुराते हुए और एक संकेत के सामने हाथ पकड़े हुए दिखाया गया है जिस पर लिखा है, ओह बेबी। कुछ ही क्षण बाद, एक स्टंट विमान बेखबर मेहमानों के सामने दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गुलाबी पानी ले जाने वाले विमान के जोड़े के ऊपर से गुजरने से सभी बेखबर रहते हैं और जश्न मनाते देखते हैं। लेकिन असल में जोड़े के ऊपर से गुजरे विमान को कुछ दूरी पार करने के बाद दुर्घटनाग्रस्त होते देखा जा सकता है। बावजूद इसके सब उस घटना से बेखबर ही दिखते हैं। भावी माता-पिता ने देखा कि एक छोटा विमान ऊपर की ओर उड़ रहा था और गुलाबी पानी जैसा एक बड़ा सा गुब्बार छोड़ रहा था, जो यह संकेत दे रहा था कि उनके गर्भ में एक लड़की है। इस तरह से मेक्सिको में लिंग का खुलासा एक त्रासदी में समाप्त होता है। वीडियो में जश्न में शामिल एक स्टंट विमान को मेहमानों के सामने दुर्घटनाग्रस्त होते दिखाया गया है। लुइस एंजेल एन नामक 32 वर्षीय पायलट को बाद में विमान के मलबे में पड़ा पाया गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

चार अंतरिक्ष यात्री 6 माह का अभियान पूरा कर वापस धरती पर लौटे

केप केनवरल । चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर छह महीने रहने के बाद सोमवार तड़के वापस धरती पर लौट आए। उनका 'स्पेस एक्स' कैप्सूल फ्लोरिडा तट से दूर अटलांटिक सागर में पैराशूट से उतरा। नासा के अंतरिक्ष यात्री स्टीफन बोवेन और वॉरेन 'वुडी' होबर्ग, रूस के आंद्रेई फेदयेव और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सुल्तान अल-नेयादी इस अंतरिक्ष अभियान को पूरा करने के बाद धरती पर लौटे। अल-नेयादी कक्षा में इतना लंबा समय बिताने वाले अरब दुनिया के पहले व्यक्ति हैं। अंतरिक्ष स्टेशन से प्रस्थान करने से पहले उन्होंने कहा कि मार्च में आईएसएस पर पहुंचने के बाद वह गर्म पानी से स्नान, गर्म कॉफी से भरे कप और समुद्री हवाओं के लिए तरस रहे थे। हालांकि, खराब मौसम के कारण उनकी वापसी में एक दिन की देरी हुई। 'स्पेस एक्स' ने एक सप्ताह पहले इन अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेने वाले अन्य यात्रियों को आईएसएस पर भेजा था। इस महीने के अंत में आईएसएस के क्रू में एक और बदलाव होगा, जिसके तहत दो रूसी और एक अमेरिकी वैज्ञानिक की लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी होगी, जो पूरे साल अंतरिक्ष स्टेशन पर रहे हैं।

ब्वॉयफ्रेंड बनाने के लिए लडकी ने मांगे आवेदन

-मात्र 24 घंटे में आए 3000 एप्लिकेशन!

वॉशिंगटन । अपने लिए पार्टनर तलाशने कोई डेटिंग ऐप्स का सहारा लेता है तो कुछ लोग सोशल मीडिया से ही अपने लिए पार्टनर की तलाश करते हैं। एक लड़की ने इन सारे तरीकों को छोड़कर एक अनोखा रास्ता निकाला है। उसने लड़कों से कहा है कि वे उसका प्रेमी बनने के लिए एप्लिकेशन दें और 24 घंटे के अंदर ही उसके पास हज़ारों कैंडिडेट्स की लाइन लग गई। मॉडल और टिकटॉकर वीरा डिज्कमांस ने बताया है कि वो अकेले रहते-रहते थक चुकी है और अब उसे अपने लिए एक ब्वॉयफ्रेंड की तलाश है एक रिपोर्ट के मुताबिक उसने टिकटॉक पर लोगों से कहा कि वो ब्वॉयफ्रेंड एप्लिकेशन मांग रही है, जिसे खुद को योग्य समझने वाले लोग दे सकते हैं। लड़की ने अपने पौने चार लाख फॉलोअर्स के सामने ये प्रस्ताव रखा है। इसके लिए बाकायदा एक फॉर्म है, जिसमें पर्सनल डिटेल्स भरनी है और कुछ सवालों का जवाब देना है। वीरा की इस क्लिप को हज़ारों लोगों ने देखा है और आप सोच नहीं सकते कि उसे कितना बंपर रेस्पॉन्स मिला है। 24 घंटे के अंदर-अंदर उसको 3000 एप्लिकेशन मिल चुके हैं। लंदन की रहने वाली हसीना का कहना है कि लोगों को ये अजीब लग सकता है लेकिन इस वक्त में डेटिंग आसान नहीं है। ऐसे में वो अच्छे कैंडिडेट्स को शॉर्टलिस्ट करके उनमें से एक को चुनेगी। उसके ब्वॉयफ्रेंड की जो खूबियां वो बताती हैं, उसमें उसकी कमाई, आत्मनिर्भरता के अलावा कार्टून का शौकीन होना भी ज़रूरी है। बता दें कि नौकरी के लिए आवेदन देने और मांगने के बारे में तो आप जानते ही होंगे। अक्सर ये खबरें भी सुनी होंगी कि एक पद के लिए कैसे हज़ारों आवेदन आ जाते हैं क्योंकि यहां पैसे कमाने का साधन मिलना होता है। लेकिन ऐसी खबरें कम ही सुनने को मिलती है।

मंगोलिया में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पोप फ्रांसिस।

पाकिस्तान में समय पर, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करना बहुत जरुरी : अमेरिका

इस्लामाबाद । अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक विक्टोरिया नूलैंड ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से बात की और दक्षिण एशियाई राष्ट्र में समय पर, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के महत्व पर चर्चा की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि कार्यवाहक उप सचिव नूलैंड और विदेश मंत्री जिलानी ने पाकिस्तान के कानूनों और संविधान के अनुरूप समय पर, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के महत्व पर चर्चा की। पाकिस्तानी राजनीति एक साल से अधिक समय से संकट में है, जिसके केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान हैं, जिन्हें पिछले साल संसदीय अविश्वास मत में अपदस्थ कर दिया गया था। इमरान ने अपने निष्कासन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान की सेना को दोषी ठहराया। वाशिंगटन और सेना दोनों ने उनके दावों का खंडन किया है। नूलैंड और जिलानी के बीच हुई बातचीत पर विदेश विभाग के बयान में खान का कोई जिक्र नहीं किया गया। पाकिस्तान ने अगस्त के मध्य में अंतरिम प्रधान मंत्री अनवार-उल-हक काकर के तहत एक कार्यवाहक कैबिनेट की शपथ ली, जिसे नए चुनावों तक देश चलाने का काम सौंपा गया था, जो नवंबर से आगे विलंबित हो सकता है क्योंकि निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं फिर से निर्धारित की गई हैं। कार्यवाहक कैबिनेट का शीर्ष काम पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरीकरण की ओर ले जाना होगा, साथ ही 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से आखिरी मिनट में 3 अरब डॉलर का बेलआउट सौदा प्राप्त करने के बाद एक संकीर्ण पुनर्प्राप्ति पथ पर चल रही है, जिससे एक संप्रभु ऋण डिफ़ॉल्ट को रोका जा सके।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर सेना का कब्जा, अल्वी को चुनावी तारीखें घोषित करने से रोकने के लिए मिली धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में सियासी घमासान जारी है। इमरान खान के जेल जाने के बाद भी ये बवाल थमा नहीं है। अब राष्ट्रपति और पाकिस्तानी सेना के बीच ठन गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी इमरान खान के समर्थक माने जाते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति अल्वी को पाक सेना ने घेर लिया है। यह कदम अल्वी को चुनाव की तारीखों की घोषणा करने से रोकने के लिए उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर सेना ने कब्जा कर लिया है। पाक सेना और शहबाज शरीफ गठबंधन चाहता है कि चुनाव को जितना संभव हो सके टाल दिया जाए। जबकि इमरान खान चाहते थे कि चुनाव समय पर हो। इमरान समर्थक अल्वी ऐसा कुछ न करें, इसीलिए पाक सेना ने उन्हें घेर लिया है।

अल्वी को चुनावी तारीखें घोषित करने से रोकने के लिए धमकी दी गई है। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति के दफ्तर को ही खाली करा लिया गया है।

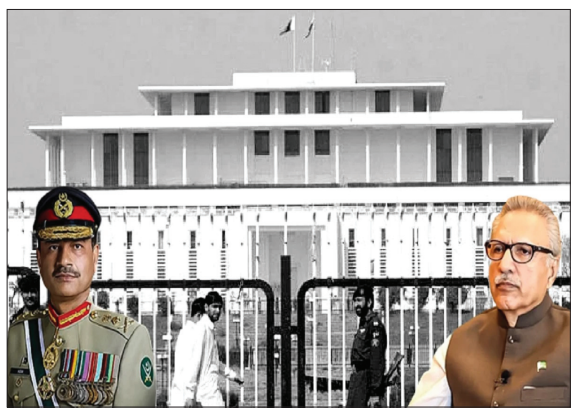

दफ्तर में मौजूद स्टॉफ को भी निकाल दिया गया है। पाकिस्तानी आर्मी ने राष्ट्रपति भवन की चौथी मंजिल को अपने कब्जे में ले लिया है। आर्मी चीफ और आईएसआई को ये भनक लगी कि राष्ट्रपति अल्वी चुनाव का ऐलान करने वाले हैं। आर्मी चीफ और आईएसआई ने राष्ट्रपति से मिलकर कोई भी घोषणा करने से रोक दिया है।

संविधान के मुताबिक 90 दिनों में चुनाव होने हैं

सूत्रों के मुताबिक, बैठक तीखी रही और राष्ट्रपति के साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया गया। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक का कहना है कि पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक मौजूदा हालात को देखते हुए 90 दिनों के अंदर चुनाव कराए जाने चाहिए। यदि राष्ट्रपति अल्वी ने चुनाव की घोषणा की होती, तो पीएम इमरान खान के खिलाफ चल रहा अभियान चल रहा होता। बड़ा झटका लगा होगा। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति द्वारा जल्द ही चुनाव की तारीखों की घोषणा करने की खबर अंदर से लीक की गई है ताकि पाकिस्तानी सेना इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर दबाव बना सके और उसे बातचीत की मेज पर ला सके। तक लाया गया।

भारत और यूके के बीच होने वाली डील पड़ी खटाई में

-पीएम सुनक जल्दबाजी में नहीं

लंदन (एजेंसी)। भारत और यूके के बीच होने वाली एक अहम डील खतरे में पड़ गई है। ब्रिटिश मीडिया में आ रही खबरों से ऐसा ही लगता है। ब्रिटिश मीडिया ने पीएम ऋषि सुनक के हवाले से लिखा है कि नौ और 10 सितंबर को जब नई दिल्ली में जी20 सम्मेलन का आयोजन होगा, तब उस समय इस डील के साइन होने की कोई संभावना नहीं है। दरअसल पीएम सुनक ने भारत के साथ एक त्वरित व्यापार समझौते से इनकार किया है। बताया जा रहा हैं कि डील का शायद अगले साल के चुनावों तक भी हो पाना असंभव हो गया है।

पीएम सुनक को भारत के साथ इस डील की वजह से काफी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा है। माना जा रहा है कि सरकार के अंदर कुछ मंत्रियों को इस डील से आपत्ति थी। इसकारण यूके ने समझौते से अपने पैर पीछे खींच लिए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तब पीएम सुनक ने डील पर जल्दबाजी करने से मना कर दिया है। इसके तहत व्हिस्की जैसी वस्तुओं पर टैरिफ को कम करना था। लेकिन यह डील प्रोफेशनल सर्विसेज जैसे जटिल विषयों को सुलझाने में असफल है। कहा जा रहा है कि जी20 सम्मेलन के लिए भारत आ रहे सुनक के अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से मिलने से पहले किसी भी समझौते के होने की संभावना समाप्त हो गई है। अब कई लोग मान रहे हैं कि दोनों देशों के बीच साल 2024 में चुनाव होने से पहले कोई समझौता होना मुश्किल है। हालांकि यूके सरकार में कुछ लोगों का अभी भी मानना है कि इस साल के अंत में डील को फाइनल किया जा सकता है।

इस पूरी स्थिति का मतलब यही है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता अभी भी दूर है। इस ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक के रूप में लंबे समय से माना जाता है। पिछले साल दिवाली तक एक समझौते की बात थी। यूके के व्यापार मंत्री केमी बैडेनोच और पीएम ऋषि सुनक ने फैसला किया है कि वे उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने समय सीमा को समाप्त कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि भारत वस्तुओं पर एक प्रारंभिक समझौता करना चाहता है। लेकिन जोखिम यह है कि इसके बजाय इससे एक व्यापक व्यापार समझौते की शुरुआत हो सकती है। इस डील से ब्रिटेन को वह कुछ भी नहीं मिलता है जो वह चाहता है। हालांकि, बातचीत वर्षों से चल रही है और निकट समाप्ति के करीब नहीं पहुंच रही है। पूर्व पीएम बोरिस नसन और उनकी उत्तराधिकारी लिज ट्रस दोनों ने पिछले साल दिवाली तक एक समझौते का वादा किया था, जो अक्टूबर में पड़ा था, लेकिन लगभग एक साल बाद उन लोगों के पास जो बातचीत के करीब हैं, उनका कहना है कि बड़े क्षेत्रों में असहमति बनी हुई है।

जी20 शिखर सम्मेलन में चीनी उपस्थिति का विरोध नहीं करेंगे तिब्बती, जिनपिंग को बताया माओत्से तुंग से भी बदतर

तिब्बती प्रतिनिधि ने कहा कि इस सप्ताह के अंत में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान निर्वासित तिब्बती यहां चीनियों के खिलाफ कोई विरोध प्रदर्शन नहीं करेंगे क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग बैठक में भाग नहीं लेंगे। निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्य दावा त्सेरिंग ने कहा कि अगर शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन में शामिल होते तो हम जी20 बैठक के दौरान कुछ आंदोलन करना चाहते थे। अब हमने सुना है कि वह नहीं आ रहे हैं। सेरिंग ने कहा कि जब से शी जिनपिंग सत्ता में आए हैं, वह भारत सरकार और भारतीय लोगों को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह (शी) तिब्बती लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं और उन्होंने छोटे बच्चों को अपनी भाषा सीखने की इजाजत नहीं दी। अगर मेरा बेटा भिक्षु बनना चाहता है, तो वह इसकी इजाजत नहीं देते। यह एक सांस्कृतिक नरसंहार है। वह माओत्से तुंग से भी बदतर हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या तिब्बती शिखर सम्मेलन में चीनी प्रतिनिधि की उपस्थिति का विरोध करेंगे, त्सेरिंग ने कहा कि विरोध तभी होता जब शी जिनपिंग बैठक में भाग लेने आते। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार चीनी विस्तारवादी नीति के खिलाफ दृढ़ता से खड़ी होगी जो वह न केवल भारत बल्कि सभी दक्षिण एशियाई देशों के प्रति अपनाती है। जी20 बैठक में दक्षिण एशियाई देशों के प्रतिनिधिमंडलों को इस चीनी नीति के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

इज़राइल ने गाजा पट्टी से माल का निर्यात रोका

- सभी वस्तुओं को अगली सूचना तक केरेम शालोम सीमा पार से निर्यात से रोका जाएगा

गाजा (एजेंसी)। इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि उन्होंने मंगलवार से अगली सूचना तक गाजा पट्टी से माल का निर्यात रोक दिया है। सूत्रों ने बताया कि इजरायल ने फिलिस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित समन्वय आयोग को सूचित किया कि सभी वस्तुओं को केरेम शालोम सीमा पार से निर्यात से रोका जाएगा, जो क्षेत्र में एकमात्र वाणिज्यिक सीमा है। सूत्रों के अनुसार इज़राइल द्वारा क्रॉसिंग पर विस्फोटक सामग्री की तस्करी के प्रयास को विफल करने के बाद यह निर्णय लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजरायली सरकार की गतिविधियों के समन्वयक घासन अलियान ने शिन्हुआ को एक प्रेस बयान में कहा कि इससे पहले सोमवार को, गाजा से कपड़े ले जा रहे एक ट्रक में छिपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री की तस्करी के प्रयास को क्रॉसिंग पर विफल कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि तस्करी के प्रयास के बाद इजरायली अधिकारियों ने गाजा से इजरायल और वेस्ट बैंक में माल की शिपिंग रोकने का फैसला किया। एलियान ने कहा कि पट्टी में आर्थिक स्थिति पर निलंबन के संभावित नकारात्मक प्रभावों के बावजूद, इज़राइल आतंकवादियों को गाजा में नागरिक और मानवीय क्षेत्र का शोषण करने की अनुमति नहीं देगा। इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) द्वारा संचालित आर्थिक मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह गाजा में मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

किम जोंग-उन हथियार सौदे पर पुतिन से चर्चा करने जा सकते हैं रूस

- दोनों नेता ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भाग लेंगे, जो 10 से 13 सितंबर तक चलेगा

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने और संभावित हथियार सौदे पर चर्चा करने के लिए रूस का दौरा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूयॉर्क के एक अखबार में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में अज्ञात अमेरिकी और संबद्ध अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि किम अगले सप्ताह व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि किम उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से, संभवतः बख्तरबंद ट्रेन से रूस के प्रशांत तट पर व्लादिवोस्तोक तक यात्रा करेंगे, जहां वह पुतिन से मिलेंगे। इसमें कहा गया है कि दोनों नेता ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भाग लेने के लिए व्लादिवोस्तोक में सुदूर पूर्वी संघीय विश्वविद्यालय के परिसर में होंगे, जो 10 से 13 सितंबर तक चलने वाला है। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) ने पूछे जाने पर रिपोर्ट की पुष्टि करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि किम रूस में उच्च स्तरीय बातचीत की उम्मीद कर सकते हैं। एनएससी के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु की जुलाई में प्योंगयांग की यात्रा का हवाला देते हुए एक समाचार एजेंसी को बताया कि जैसा कि हमने सार्वजनिक रूप से चेतावनी दी है, रूस और डीपीआरके (उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम) के बीच हथियार वार्ता सक्रिय रूप से आगे बढ़ रही है।

एनएससी के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे पास जानकारी है कि किम जोंग-उन को उम्मीद है कि ये चर्चाएं जारी रहेंगी, इसमें रूस में नेता स्तर की राजनयिक भागीदारी भी शामिल होगी। एनएससी समन्वयक जॉन किर्बी ने पहले चेतावनी दी थी कि प्योंगयांग यूक्रेन में चल रहे युद्ध में उपयोग के लिए रूस को अतिरिक्त हथियार और सैन्य उपकरण प्रदान करने पर विचार कर सकता है। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि शोइगु की यात्रा के बाद रूसी अधिकारियों के एक दूसरे समूह ने संभावित हथियार सौदों के बारे में आगे की चर्चा के लिए उत्तर कोरिया की यात्रा की थी। प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि डीपीआरके और रूस के बीच कोई भी हथियार सौदा सीधे तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन होगा। अधिकारी ने कहा कि हम डीपीआरके से रूस के साथ अपनी हथियार वार्ता बंद करने का आग्रह करते हैं और हम रूस और डीपीआरके के बीच हथियारों के सौदे को सुविधाजनक बनाने के लिए काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को बेनकाब और मंजूरी देकर सीधे कार्रवाई कर रहे हैं। शोइगु ने पहले कहा था कि रूस और उत्तर कोरिया चीन के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करने पर विचार कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 20 उत्तर कोरियाई अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें नेतृत्व के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की देखरेख करने वाले कुछ लोग भी शामिल हैं, ने अगस्त के अंत में व्लादिवोस्तोक की यात्रा की, जो किम की आगामी यात्रा का संकेत देता है।

एलन मस्क के पिता को सता रहा है बेटे के मर्डर होने का खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एलन मस्क के पिता ने कहा है कि सरकारी फैसलों पर उनके असर के बारे में एक रिपोर्ट के बाद उन्हें चिंता है कि टेस्ला के सीईओ की हत्या हो सकती है। एलन मस्क के पिता ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्हें डर है कि उनके अरबपति बेटे की हत्या की जा सकती है। 77 साल के एरोल मस्क ने मीडिया में आए एक हालिया लेख की आलोचना भी की। जिसमें यूक्रेन में जंग के बारे में सरकारी फैसलों पर दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क के असर के बारे में बताया गया था। पेंटागन के अधिकारियों ने बताया था कि एलन मस्क के साथ एक 'अनिर्वाचित अधिकारी' की तरह व्यवहार किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यूक्रेन युद्ध में स्पेसएक्स के स्टारलिंक सेटेलाइट कितने महत्वपूर्ण थे। एलन मस्क के बुजुर्ग पिता ने कहा कि यह एक चोट पहुंचाने वाला काम है, एलन मस्क पर एक छद्म सरकार का गहरा साया पड़ चुका है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें डर है कि यह 'छद्म सरकार' उनके बेटे की हत्या कर सकती है? तो उन्होंने हां में जवाब दिया। उन्होंने व्लादिमीर पुतिन के प्रति उनके रवैये पर चिंता भी जताई।

बता दें कि पिछले साल मई में स्पेसएक्स के यूक्रेनी सैनिकों को स्टारलिंक टर्मिनल देने के फैसले पर रूस के स्पेस चीफ के साथ बहस के बाद एलन मस्क ने मजाक में कहा था कि वह 'रहस्यमय परिस्थितियों में मर सकते हैं। एक एक्स इंजीनियर ने पहले ही बताया था कि दो अंगरक्षक बाथरूम सहित कंपनी मुख्यालय के आसपास एलन मस्क के लगातार साथ रहते थे। मई में दायर एक मुकदमे में कहा था कि उन्होंने अपने एक्स ऑफिस के बगल में एक बाथरूम बनाने का भी अनुरोध किया था ताकि उन्हें आधी रात में अपने सिक्योरिटी स्टाफ को जगाना न पड़े। एलन मस्क की सुरक्षा संबंधी चिंताएं पिछले दिसंबर में उनके

निजी जेट को ट्रैक किए जाने के विवाद के दौरान सबसे अधिक तेजी से उभरी थीं। एलन मस्क ने इससे पहले कहा था कि उनके बेटे को ले जा रही कार का एक शख्स ने यह सोचकर पीछा किया था कि उसमें टेस्ला के सीईओ खुद सवार हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बारिश के कहर ने उत्तराखंड को ?किया तबाह, 80 दिनों में 93 लोगों की गई जान

देहरादून । उत्तराखंड में इस बार जमकर हुई बारिश ने तबाही मचा दी है। यही वजह है कि महज 80 दिनों में कुदरत ने पूरे प्रदेश में भयानक कहर बरपाया और 93 लोगों की जान चली गई। यहां पर कई जगह बाढ़ का कहर देखने को मिला, तो कहीं बादल फटने की और भूस्खलन की घटनाओं ने दिल दहला दिया। इस दौरान न जाने कितनी ही मासूम ज़िंदगियाँ काल के गाल में समा गई। इस वर्ष 15 जून से अब तक सौ से ज्यादा परिवारों को आपदा कभी न भर पाने वाले जख्म दे गई। आपदा के कहर ने भारी क्षति पहुंचाई है। अतिवृष्टि भूस्खलन व बाढ़ के कारण राज्य के सभी जिले कराह उठे। गौरतलब है ?कि प्रदेश के रुद्रप्रयाग जिले में सर्वाधिक जनहानि हुई। यहां पर अलग-अलग भूस्खलन की घटनाओं में 21 व्यक्तियों की जान गई जबकि 13 लोगों का कुछ पता नहीं चल पाया है। इतना ही नहीं 93 परिवारों ने अपने स्वजन को खोया, जबकि 16 का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यही नहीं, 51 लोग घायल हुए हैं। बीते 80 दिन पूरे राज्य पर भारी गुजरे हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो आपदा में न केवल जनहानि हुई, बल्कि 1914 घरों को भी अपनी चपेट में लिया। इनमें से 56 घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए, जबकि 181 की स्थिति रहने लायक नहीं रह गई है। शेष आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। पशुधन को भी राज्य में आपदा से बहुत अधिक क्षति पहुंची है। अब तक 7798 मवेशी काल-कवलित हुए हैं। इसके अलावा सड़कों, पेयजल व विद्युत लाइनों समेत सार्वजनिक संपत्ति को बड़े पैमाने पर क्षति पहुंची है।

गर्भवती पत्नी को निर्वस्त्र कर घुमाने पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली । एक गर्भवती पत्नी को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने संज्ञान में लिया है। आयोग ने राजस्थान सरकार तथा डीजीपी से रिपोर्ट तलब की है। बता दें कि प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में एक गर्भवति महिला को उसके पति द्वारा कथित रूप से निर्वस्त्र कर घुमाने के समाचार छपे थे। इस पर आयोग ने राज्य सरकार और पुलिस विभाग को नोटिस भेजा है। अधिकारियों की मानें तो आयोग ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह महिला की स्वास्थ्य स्थिति के साथ-साथ इस बारे में भी जानना चाहता है कि प्रशासन ने उसे किसी प्रकार का मुआवजा दिया है या नहीं। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ा वीडियो प्रसारित होने के बाद राजस्थान पुलिस ने कहा था कि प्रतापगढ़ जिले के एक गांव में 21 वर्षीय एक आदिवासी महिला को उसके पति द्वारा कथित रूप से निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला सामने आया है। एनएचआरसी ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत:-संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया है कि 31 अगस्त को राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक गर्भवति महिला को उसके परिवार के सदस्यों ने कथित रूप से पीटा और उसे निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया। बताया जा रहा है कि महिला के ससुराल वाले उसके किसी और व्यक्ति के साथ रहने के कारण उससे नाराज थे। आयोग ने कहा कि अगर मीडिया में प्रकाशित खबर सही पाई जाती है, तो यह पीड़िता के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। एनएचआरसी ने कहा कि तदानुसार राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट में मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद जांच की स्थिति और अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी देने को कहा है।

सोशल मीडिया साइट पर मोदी के बाद योगी की लोकप्रियता बढ़ी

लखनऊ । सोशल मीडिया साइट एक्स पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फॉलोअर्स की संख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद सबसे ज्यादा बढ़ गई है। सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 30 दिनों में योगी के फॉलोअर्स में 2.67 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। एक्स ने दुनिया भर के व्यक्तित्वों, संगठनों, फाउंडेशनों सहित अपने सभी हैंडल की सूची जारी की है, जिन्हें पिछले 30 दिनों में लोगों द्वारा सबसे अधिक फॉलो किया गया है। भारतीय राजनेताओं में इस सूची में प्रधानमंत्री मोदी (6.32 लाख) के बाद दूसरा नाम योगी आदित्यनाथ का है। योगी अन्य भारतीय राजनेताओं से काफी आगे हैं, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल हैं, जो तीसरे नंबर पर हैं। सोशल मीडिया साइट्स पर योगी के कुल फॉलोअर्स की संख्या अब 26 मिलियन हो गई है। सूची में समग्र भारतीय राजनेताओं, संस्थानों या व्यक्तित्वों में से, योगी नए फॉलोअर्स पाने में केवल इसरो (1,166,140), प्रधान मंत्री मोदी और विराट कोहली (4,74,011) से पीछे हैं।

6 से 15 सितंबर तक गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 144 लागू

गौतमबुद्ध नगर । उत्तरप्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में 6 से लेकर आगामी 15 सितंबर तक आने वाले त्यौहार, प्रतियोगी परीक्षाएं, किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन और अन्य कार्यों को देखकर धारा 144 लागू कर दी गई है। इस दौरान कोरोना के समय पर बनाए गए प्रोटोकॉल और नियमों का लोगों को पालन करना होगा। सूचना के मुताबिक 6/7 सितंबर भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी, दिनांक 7 सितंबर को चेहल्लुम का पर्व मनाए जाने के साथ-साथ 12 सितंबर को द्रोणाचार्य मेला दनकौर, ग्रेटर नोएडा आयोजित किया जाना है। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षाएं तथा 12 सितंबर को किसान पंचायत व 15 सितंबर को किसानों की महापंचायत एवं विभिन्न संगठनों द्वारा समय-समय पर धरना प्रदर्शन आदि विभिन्न कार्यक्रम किया जाना प्रस्तावित है। पुलिस के मुताबिक इस दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा शान्ति व्यवस्था को भंग करने की आशंका के चलते ही ये फैसला लिया गया है। पुलिस ने गाइडलाइंस भी जारी की है, इसके मुताबिक न 5 या इससे अधिक व्यक्तियों का किसी प्रकार का कोई जूलुस निकालेगा और न ही सार्वजनिक स्थान पर 5 या इससे अधिक व्यक्तियों का समूह बनाएगा और न ही किसी समूह में सम्मिलित होगा। इस दौरान सरकारी दफ्तरों के ऊपर व आसपास एक किमी परिधि में ड्रोन से शूटिंग करना पूर्णतया प्रतिबंधित होगा। किसी भी धार्मिक स्थल/सार्वजनिक स्थल/जूलुसों एवं अन्य आयोजनों पर लाउडस्पीकर की ध्वनि की तीव्रता 40 से 75 डेसीबल, आवासीय इलाको में दिन में 55 डेसीबल एवं रात में 45 डेसीबल, औद्योगिक क्षेत्रों में दिन में 75 डेसीबल एवं रात में 70 डेसीबल, व्यावसायिक क्षेत्रों में दिन में 65 डेसीबल एवं रात में 55 डेसीबल, साइलेन्स जोन में दिन में 50 डेसीबल एवं रात में 40 डेसीबल से अधिक अमान्य होगी ।इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों/ मार्गों पर नमाज / पूजा अर्चना / जूलुस या अन्य प्रकार के धार्मिक आयोजन का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा ।अपरिहार्य स्थिति में अनुमति पुलिस आयुक्त/ अपर पुलिस आयुक्त/ पुलिस उपायुक्त जोन से लेनी होगी।

भाजपा ने हिटलर से की उदयनिधि स्टालिन की तुलना

नई दिल्ली । भाजपा ने सनातन धर्म को लेकर उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिए विवादास्पद बयान की आलोचना कर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि की तुलना हिटलर से की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि जिसतहर हिटलर ने यहूदियों का नरसंहार किया, इसतरह स्टालिन की सुविचारित टिप्पणी शुद्ध घृणास्पद भाषण है और भारत की 80 प्रतिशत आबादी, जो सनातन धर्म का पालन करती है, के नरसंहार का आह्वान है। भाजपा ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हिटलर और उदयनिधि स्टालिन की तस्वीरों और बयानों को शेयर कर लिखा है, हिटलर ने यहूदियों का जिस प्रकार वर्णन किया और उदयनिधि ने सनातन धर्म का जो वर्णन किया, उसमें अद्भुत समानता है। हिटलर की तरह, स्टालिन जूनियर ने भी मांग की, कि सनातन धर्म को खत्म किया जाए। बता दें कि कैसे नाजी नफरत की परिणति नरसंहार में हुई, जिसमें लगभग 6 मिलियन यूरोपीय यहूदी और कम से कम 5 मिलियन अन्य सोवियत युद्ध कैदी और अन्य पीड़ित मारे गए। उदय स्टालिन की सुविचारित टिप्पणी शुद्ध घृणास्पद भाषण है और भारत की 80 प्रतिशत आबादी, जो सनातन धर्म का पालन करती है, के नरसंहार का आह्वान है।

कर्नाटक में शशिकला के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

बेंगलुरु । कर्नाटक लोकायुक्त की विशेष अदालत ने केंद्रीय जेल में कैद के दौरान रिश्वतखोरी के मामले में शशिकला और इलावरासी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। कर्नाटक कोर्ट ने जमानत की रकम देने वाले लोगों के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। आरोप था कि एआईएडीएमके की पूर्व महासचिव शशिकला ने जेल के अंदर विशेष सुविधा लेने के लिए अधिकारियों को 2 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। आरोप लगाया गया कि शशिकला और इलावरासी जेल से खरीदारी के लिए बाहर भी गई थीं।

नए संसद भवन के उद्घाटन पश्चात ही एक देश एक चुनाव की शुरु हो गई थी चर्चा

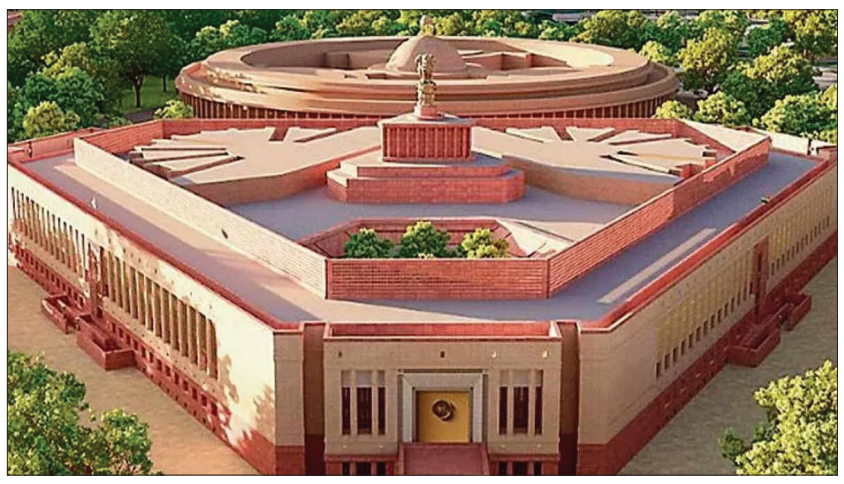

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय भले ही एक देश एक चुनाव के लिए सहमति या असहमति की बातें हो रही हैं, लेकिन असल चर्चा तो नए संसद भवन के उद्घाटन के पश्चात ही शुरु हो गई थी। सूत्र बताते हैं कि सरकार ने इसकी पटकथा जून की शुरुआत से लिखना शुरू कर दी थी। साथ ही इस पूरी प्रक्रिया में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बड़ी भूमिका निभाते नजर आए। बहरहाल, इससे जुड़ा बिल सत्र में पेश होगा या नहीं, यह अब तक तय नहीं है। लेकिन माना जा रहा है कि अगर देश में एक ही चुनाव के फैसले पर मुहर लगती है, तो विपक्ष को बड़ा झटका लग सकता है। गौरतलब है कि भारत के नए संसद भवन के उद्घाटन के कुछ दिनों बाद ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोविंद से मुलाकात की थी। उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव डॉक्टर पीके मिश्रा भी मौजूद थे। एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस बैठक में ही एक देश एक चुनाव पर बड़ी चर्चा शुरू हो गई थी। अटकलें हैं कि 18 सितंबर से शुरू रहे पांच दिवसीय संसद सत्र के दौरान पेश किया जा सकता है।

आधिकारिक तौर पर पूर्व राष्ट्रपति की अगुवाई में काम करने वाली समिति के सदस्यों की भी घोषणा कर दी गई थी। सरकार द्वारा कोविंद के नाम पर ही मुहर लगाने की भी कई वजहें गिनाई जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति जटिल कानूनी मामलों को आसानी से संभाल सकते हैं। साथ ही उन्होंने पीएम मोदी का भी भरोसेमंद माना जाता है। रविवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय के अधिकारियों ने समिति से जुड़े कामों को लेकर मुलाकात की थी। खबर है कि पूर्व राष्ट्रपति बीते तीन महीनों में कम से कम 10 राज्यपालों से मुलाकात कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि यह विपक्ष को भी परेशान कर सकता है। दरअसल, अगर एक देश एक चुनाव होते हैं, तो उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल में टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों के बीच लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों के लिए गठबंधन मुश्किल हो सकता है। साथ ही यही स्थिति पंजाब और दिल्ली में भी बन सकती है।

चीन राष्ट्रपति के भारत नहीं आने पर जयशंकर ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली । केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला करने वाले नेताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, महत्वपूर्ण मुद्दों पर देशों द्वारा अपनाए गए रुख पर ध्यान केंद्रित करे है। उन्होंने कहा कि अंतत: देशों का प्रतिनिधित्व उसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है जिसे उन्होंने प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है, इसकारण प्रतिनिधित्व का स्तर किसी देश की स्थिति का अंतिम निर्धारक नहीं बनता है। उन्होंने बात चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 9 से 10 सितंबर के बीच होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने पर एक सवाल के जवाब में कही। जयशंकर ने कहा कि शिखर सम्मेलन में प्रत्येक जी20 सदस्य वैश्विक राजनीति में योगदान देगा। उन?होंने कहा, तब मैं कहूंगा कि इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कि कौन सा देश किस स्तर पर आना चाहता है, असली मुद्दा यह है कि जब वे आते हैं, तब वे क्या स्थिति लेते हैं। वास्तव में यही है, हम इस जी20 को इसके परिणामों के लिए याद रखने वाले हैं। गौरतलब है कि चीनी विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि जिनपिंग शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेने वाले हैं, और उनके स्थान पर प्रधान मंत्री ली कियांग बहुपक्षीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का बड़ा बयान 'वो दिन दूर नहीं जब संविधान संशोधन के जरिये महिलाओं को मिलेगा उचित प्रतिनिधित्व'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने 18 सितंबर से लेकर 22 सितंबर के बीच विषेश सत्र बुलाया है। इस विशेष सत्र को लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। माना जा रहा है कि सरकार इस विशेष सत्र के जरिए कई बड़े विधेयक ला सकती हैं। इसी कड़ी में महिला आरक्षण बिल को लेकर भी चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। इन सबके बीच भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ ऐसा बयान दिया है जिसके बाद महिला आरक्षण बिल को लेकर चर्चाओं का दौर और भी बढ़ सकता है। सोमवार को जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय से संबंध ''महारानी महाविद्यालय की छात्राओं के साथ राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी विषय पर संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए धनखड़ ने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब संविधान संशोधन के जरिये संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा।

छात्राओं से संवाद के दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि महिलाओं के लिए आसमान ही सीमा है, वे हर क्षेत्र में - प्रशासन, सेना, कॉरपोरेट में सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं को कहा कि अपने निर्णय स्वयं लें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। पुरुषों की नकल मत कीजिए, वे आपसे श्रेष्ठ नहीं हैं, अपने आपको मौलिक रखिये। धनखड़ ने छात्राओं को तीन मंत्र दिए - पहला, कभी टेंशन मत लीजिये, टेंशन लेने से कुछ नहीं होता। दूसरा, असफलता से कभी मत डरिये और तीसरा यह कि आपके दिमाग मे कोई अच्छा विचार आये तो उसे केवल दिमाग मे मत रखे रखिये बल्कि जमीन पर लागू करिये। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से अति-प्रतिस्पर्धा में ना पड़ने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपनी रुचि के अनुसार कैरियर के चुनाव करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब वो दिन दूर नहीं जब संविधान में संशोधन करके संसद और विधान सभाओं में महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। यदि महिलाओं को ये आरक्षण जल्दी मिल गया तो भारत 2047 से पहले ही विश्व शक्ति बन जायेगा। महिला शिक्षा पर बल देते हुए धनखड़ ने कहा कि लड़के को पढ़ाने से एक परिवार ही तरक्की करता है, लेकिन यदि हम एक लड़की को पढ़ाते हैं तो कई परिवार शिक्षित होते हैं। एक छात्रा द्वारा महिला सुरक्षा पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में धनखड़ ने कहा कि यह केवल सरकारी तंत्र का ही काम नहीं है बल्कि महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में समाज, व्यक्ति और संस्थानों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा, ''हर सक्षम व्यक्ति यह निश्चय करे कि मैं इस विषय पर अपना योगदान करूंगा।

भारत जोड़ो यात्रा निकलने वालों को भारत माता की जय बोलने में इतनी तकलीफ क्यों : नड्डा

-देश के सम्मान से जुड़े हर मामले में कांग्रेस को तकलीफ क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जयपुर में कांग्रेस नेताओं की बैठक के अंदर घटे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलकर सवाल पूछा है कि भारत जोड़ो के नाम पर राजनीतिक यात्रा करने वालों को भारत माता की जय के उद्घोष से नफरत क्यों है?

नड्डा ने कांग्रेस पर राजनीतिक निशाना साधकर पूछा कि, कांग्रेस को देश के सम्मान एवं गौरव से जुड़े हर विषय से इतनी आपत्ति क्यों है? भारत जोड़ो के नाम पर राजनीतिक यात्रा करने वालों को भारत माता की जय के उद्घोष से नफरत क्यों है? नड्डा ने गांधी परिवार पर निशाना साधकर कहा, स्पष्ट है कि कांग्रेस के मन में न देश के प्रति सम्मान है, न देश के संविधान के प्रति और न ही संवैधानिक संस्थाओं के प्रति। कांग्रेस नेताओं को बस एक विशेष परिवार के गुणगान से मतलब है। कांग्रेस की देश विरोधी एवं संविधान विरोधी मंशा को पूरा देश भलीभांति जानता है।

बता दें कि,इसके पहले भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने भी राजस्थान विधान सभा चुनाव के टिकट के लिए जयपुर में बुलाई गई कांग्रेस की बैठक में पार्टी पर्यवेक्षक आराधना मिश्र द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भारत माता की जय की बजाय कांग्रेस जिंदाबाद का नारा लगाने को कहने की आलोचना करते हुए कहा, कांग्रेस सनातन विरोधी ही नहीं राष्ट्रविरोधी भी है। जयपुर में आयोजित पीसीसी की बैठक में पर्यवेक्षक ने भारत माता की जय बोलने पर आपत्ति जताकर कहा ये अनुशासनहीनता है। जिस पार्टी के नेताओं की मानसिकता देश विरोधी हो, वहां पार्टी देश का क्या भला करेगी? कांग्रेस का पतन तय है।

नीतीश सरकार ने शिक्षक दिवस पर दिया का तोहफा, पुरानी व्यवस्था बहाल

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों व छात्रों को छुट्टियों का तोहफा दिया है। अब वापस पुरानी व्यवस्था बहाल करने के आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि बिहार के सरकारी स्कूलों में छुट्टियों की कटौती के आदेश पर जमकर बवाल मचा। शिक्षकों से लेकर विपक्ष तक ने सरकार को जमकर घेरा, जिसका नतीजा यह रहा कि नीतीश सरकार को तुरंत फैसला वापस लेना पड़ा। दरअसल, शिक्षा विभाग ने हाल ही में सरकारी विद्यालयों में होने वाले अवकाश तालिका में कटौती करते हुए उसे आधा कर दिया गया था। विरोध बढ़ने पर सरकार ने अपना फैसला वापस ले लिया है। ताजा जानकारी के अनुसार माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने पत्र जारी कर प्रारंभिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक तक की अवकाश तालिका को निरस्त कर दिया है। नए पत्र के अनुसार, छुट्टियों की पुरानी व्यवस्था को फिर से बहाल कर दिया गया है। साथ ही इसके आदेश प्रदेश के सभी राजकीय, प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों को दे दी गई है।

गौरतलब है कि 29 अगस्त को आदेश जारी कर रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, छठ, दीपावली और दुर्गा पूजा समेत कई त?योहारों की छुट्टियों में कटौती की गई थी। साथ ही जीउतिया और तीज की छुट्टियों में भी कटौती हुई थी। शिक्षा विभाग की ओर से किए गए कटौती के बाद शिक्षकों का विरोध बढ़ गया था। जिसे देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद पहल करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक को तुरंत छुट्टियों में कटौती के आदेश निरस्त करने का आदेश दिया था। हालांकि आज शिक्षक दिवस के मौके पर प्रतिरोध मार्च होना है, जिससे ठीक पहले सरकार ने छुट्टियों में कटौती के आदेश को निरस्त कर दिया।

उदयनिधि का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ देने का ऐलान

-अयोध्या के संत ने की घोषणा तो स्टॉलिन ने कहा - इतने में तो मैं खुद ही कर लूंगा

चेन्नई (एजेंसी)। अयोध्या के पुजारी जगदगुरु परमहंस आचार्य ने सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन का सिर काटने वाले को 10 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। इसके प्रत्युत्तर में स्टालिन ने कहा कि यदि वह दस रूपये की कंघी ही दे दें, तो वे स्वयं ऐसा कर लेंगे।

बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे और तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन 'सनातन धर्म' पर अपनी टिप्पणी को लेकर आलोचना झेल रहे हैं। वहीं, अयोध्या के एक संत परमहंस आचार्य ने एक वीडियो जारी कर उन्हें एक हाथ में उदयनिधि का पोस्टर और दूसरे हाथ में तलवार पकड़े हुए और द्रमुक मंत्री का प्रतीकात्मक सिर काटते हुए दिखाया गया है। साथ ही उन्होंने पोस्टर में आग भी लगाई है। इसके आलावा उन्होंने नेता का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। अब इस घोषणा पर उदयनिधि ने प्रतिक्रिया देते हुए उदयनिधि ने कहा कि एक स्वामी ने मेरे सिर के लिए 10 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि जो कोई भी उदयनिधि का सिर काटेगा उसे 10 करोड़ रुपये मिलेंगे। क्या वह असली संत हैं या डुप्लिकेट उन्हें मेरा सिर इतना पसंद क्यों है? आप इतने पैसे कहां से ला रहे हैं? आप मेरे बालों में कंघी करने के लिए 10 करोड़ रुपये की घोषणा क्यों कर रहे हैं? अगर आप मुझे 10 रुपये की कंघी दे दें तो मैं यह काम खुद ही कर लूंगा।' हालांकि, उदयनिधि सनातन धर्म पर अपने बयान पर कायम हैं और कहा कि उन्होंने हिंदू समुदाय को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि मैं बार-बार उस मुद्दे पर बात करूंगा जो मैंने शनिवार को कार्यक्रम में बोला था। मैं और भी बोलूंगा। मैंने उस दिन ही कहा था कि मैं उस मुद्दे पर बात करने जा रहा हूं जो कई लोगों को परेशान करने वाला है और वही हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म का मतलब यह था कि यह स्थायी है और इसे बदला नहीं जा सकता।

यह हमारे लिए नया नहीं है। हम उन लोगों में से नहीं हैं जो इन सभी खतरों से डरते हैं। मैं उस कलाकार का पोता हूं जिसने तमिल के लिए अपना सिर रेल ट्रैक पर रख दिया था।' बता दें कि उदयनिधि राज्य के प्रतिष्ठित नेताओं में से एक एम करुणानिधि के पोते हैं। इससे पहले अयोध्या स्थित तपस्वी छावनी मंदिर के मुख्य पुजारी जगदगुरु परमहंस आचार्य ने सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन का सिर काटने वाले को 10 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने स्टालिन को मारने की हिम्मत नहीं की तो मैं खुद उन्हें दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढूंगा और मार डालूंगा।

जून जैसी गर्मी लेकर आया सितंबर का महीना, 40 डिग्री के ऊपर पहुंचा तापमान

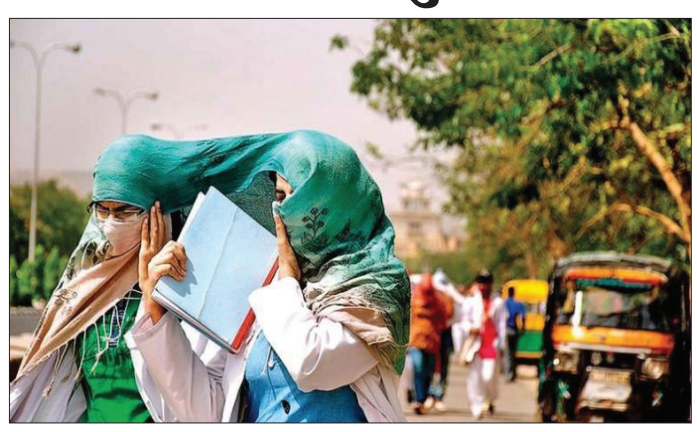

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर के महीने की शुरुआत ही गर्मी से हुई है। हालांकि बारिश का अंतिम दौर है, लेकिन उमस इस कदर व्याप्त है कि तापमान 40 डिग्री के ऊपर पहुंच गया है। जानकार बताते हैं कि इतना तापमान तो जून के महीने में था। इधर आईएमडी के अनुसार पाकिस्तान से आने वाली शुष्क पश्चिमी हवाओं और साफ आसमान की वजह से दिल्ली में सोमवार का दिन काफी गर्म रहा। कम से कम 32 सालों में पहली बार सितंबर में सफदरजंग में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सफदरजंग में तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से छह डिग्री अधिक और रविवार के अधिकतम तापमान से 2.9 डिग्री अधिक है। इस साल 14 जून के बाद यह पहली बार था जब शहर के मुख्य स्टेशन पर तापमान ने 40 डिग्री के आंकड़े को पार किया है। सितंबर में तापमान का 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचना न केवल दुर्लभ है बल्कि सोमवार का अधिकतम तापमान महीने के उच्चतम स्तर 40.6 डिग्री सेल्सियस के करीब था। इससे पहले 16 सितंबर, 1938 को सफदरजंग में इतना तापमान दर्ज किया गया था। 1992 के बाद से आईएमडी के आंकड़ों में, पिछला उच्चतम तापमान 4 सितंबर 2005 को 38.5 डिग्री दर्ज किया गया था। 2022 और 2021 में सितंबर में उच्चतम दैनिक तापमान क्रमशः 38 और 36.2 डिग्री सेल्सियस था।

सफदरजंग के अलावा, अक्षरधाम के पास सीडब्ल्यूजी गांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पारा 40 डिग्री सेल्सियस, पीतमपुरा में 39.3 डिग्री सेल्सियस, नजफगढ़ में 38 डिग्री सेल्सियस, पूसा में 37.9 डिग्री सेल्सियस और रिज पर 37.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। इस दौरान सापेक्षिक आर्द्रता 39 से 86 प्रतिशत के बीच रही। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक आर के जेनामनी ने कहा कि पाकिस्तान और पश्चिमी राजस्थान से आने वाली शुष्क पश्चिमी हवाओं के कारण तापमान बढ़ गया। बादलों की कमी और कमजोर मानसून प्रवाह के कारण शुष्क स्थिति जारी रहने से भी तापमान बढ़ने में मदद मिली।

मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में पिछले 10 दिनों से बारिश की कोई गतिविधि नहीं हुई है। आखिरी बार, दिल्ली में 24 अगस्त को बारिश हुई थी। तब सफदरजंग में 6.4 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। अगस्त में बारिश में 61फीसदी की कमी देखी गई। सफदरजंग में पिछले महीने 233.1 मिमी बारिश की तुलना में केवल 91.8 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को दिन का तापमान थोड़ा कम होने और 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत शिक्षा समिति के सदस्यों द्वारा जूते-चप्पल पहनकर सरस्वती माता की प्रतिमा के पास फोटो सेशन करने पर विवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,मंगलवार को सूरत में शिक्षक दिवस समारोह के दौरान नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों को जूते और चप्पलों के साथ सरस्वती की प्रतिमा के सामने खड़ा कर अपमानित किया गया. भाजपा शिक्षा समिति के सदस्यों द्वारा उत्सव के दौरान सरस्वती माता की प्रतिमा और पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीर के सामने जूते-चप्पल पहनने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सूरत नगर निगम संचालित शहर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा आज रूस्तमपुरा सामुदायिक भवन में शिक्षक दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में प्रतिष्ठित शिक्षकों के साथ-साथ सेवानिवृत्त शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा और डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्ण की तस्वीर रखी गयी थी. भारतीय संस्कृति के संरक्षण की बात करते हुए बीजेपी के सदस्यों ने मां सरस्वती की प्रतिमा और पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीर के पास जूते-चप्पल पहनकर फोटो सेशन कराया.

शिक्षकों के सरस्वती पूजन कार्यक्रम में बीजेपी सदस्यों द्वारा जूते पहनकर फोटो सेशन कराने से विवाद खड़ा हो गया है. हालाँकि सैकड़ों शिक्षकों ने सरस्वती माता का अपमान होते देखा, लेकिन एक भी शिक्षक शासकों को जूते उतारकर सरस्वती माता के साथ खड़े होने के लिए कहने की हिम्मत नहीं कर सका, जो शिक्षा जगत के लिए भी शर्म की बात है।

बीएमडब्ल्यू कार समेत रु 26 लाख से ज्यादा माल-सामान जब्त

लग्जरी कार में शराब तस्करी का पर्दाफाश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी,नवसारी पुलिस ने लग्जरी कार में शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए एक महिला को बीएमडब्ल्यू कार समेत रु 26 लाख से भी अधिक का माल-सामान जब्त कर लिया। गिरफ्तार शराब माफिया महिला के खिलाफ पुलिस ने प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के वापी के गुंजन चौराहे के निकट ग्रीम पार्क बिल्डिंग में रहनेवाली उजमा चुनारा नामक महिला बीएमडब्ल्यू कार में शराब लेकर नवसारी से सूरत की ओर जा रही थी। उजमा चुनारा अपनी मंझिल तक पहुंचे उससे पहले नवसारी और सूरत पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बीएमडब्ल्यू कार से बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई है। पुलिस ने बीएमडब्ल्यू कार समेत कुल रु 26 लाख से अधिक का माल-सामान जब्त कर लिया। उजमा चुनारा के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज आगे की कार्यवाही शुरू की है।

सूरत के आर्किटेक्ट ने 7200 हीरों से पीएम मोदी की बनाई तस्वीर

जन्म दिन पर भेंट देने की इच्छा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को जन्म दिन है। पीएम मोदी का जन्म दिन हर साल भाजपा समेत देश-विदेश में रहनेवाले उनके समर्थक बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। आगामी 17 सितंबर को पीएम मोदी 72 वर्ष के हो जाएंगे, इस मौके पर सूरत के एक आर्किटेक्ट विपुल जेपी वाला ने 7200 डायमंड से एक तस्वीर बनाई है। हीरों से चमकती यह तस्वीर पीएम मोदी की है। विपुल जेपीवाला यह तस्वीर पीएम मोदी को उनके जन्म दिन पर पूरे गुजरात की ओर से भेंट करना चाहते हैं। विपुल को यह हीरों से तस्वीर बनाने का विचार उस वक्त आया जब पीएम मोदी अमेरिकी दौरे पर गए थे और वहां के राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी को 7.5 कैरेट हीरे क्राफ्ट भेंट किया था।

फिर क्या था विपुल ने काफी मेहनत कर तीन महीने में 7200 हीरों की मदद से पीएम मोदी की चकमती तस्वीर तैयार की है। विपुल जेपीवाला ने बताया कि उन्होंने बहुत मेहनत और मन से पीएम मोदी की हीरों वाली तस्वीर बनाई है, जिसे वह पीएम मोदी के जन्म दिवस पर पूरे गुजरात की ओर उन्हें भेंज करना करना चाहते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी को कीमती तोहफा दिया जाने वाला हो। इससे पहले भी सूरत के एक हीरा कारोबारी ने सोने के तार से 'नरेन्द्र दामोदर मोदी' लिखा हुआ एक कीमती सूट गिफ्ट किया था, जो आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है। बाद में इस सूट को पीएम मोदी ने नीलाम कर दिया उससे मिली रु 4.31 करोड़ रूपए गंगा नदी की सफाई में लगा दी थी। भेंट में मिली हर वस्तुओं का नीलाम कर पीएम मोदी गंगा सफाई अभियान में लगाते हैं।

गुजरात में 'आप' को एक झटका, पार्टी उपाध्यक्ष अर्जुन राठवा ने दिया इस्तीफा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को एक झटका लगा है। आप के गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन राठवा ने इस्तीफा दे दिया है। वर्ष 2013 से आम आदमी पार्टी से जुड़े अर्जुन राठवा आदिवासी नेता हैं और 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में छोटा उदेपुर सीट से आप उम्मीदवार थे। लेकिन अर्जुन राठवा को हार सामना करना पड़ा था। अर्जुन राठवा ने उपाध्यक्ष समेत सभी पदों से अपना त्यागपत्र आप के गुजरात प्रदेश और प्रभारी को सौंप दिया है। अर्जुन राठवा के आप छोड़ने से राजनीति गरमा गई है। देखना होगा कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले अर्जुन राठवा किसका दामन थामते हैं।

बोरसद सब जेल से कैदियों के फरार होने के मामले में चार पुलिसकर्मी सस्पैंड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आणंद,आणंद जिला पुलिस अधीक्षक ने बोरसद की सब जेल से 4 कैदियों के फरार होने के मामले में 4 पुलिसकर्मियों को सस्पैंड कर दिया है। बता दें कि दो दिन पहले बोरसद की सब जेल से चार कैदी लोहे के सरिए के नीचे लगी लकड़ी को काटकर फरार हो गया था। फरार चार कैदियों में हत्या, प्रोहिबिशन और बलात्कार के आरोपी शामिल हैं। घटना सब जेल में तैनात चार पुलिसकर्मियों की लापरवाही की वजह से हुई। इन पुलिसकर्मियों की लापरवाही का फायदा उठाते हुए गंभीर मामलों के चार आरोपी आसानी से जेल से फरार हो गए। इस घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक ने एएसआई सुरेश, पुलिस कांस्टेबल मालजी, शेतल कुमार और जयदीपसिंह को सस्पैंड करने का आदेश दिया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इस प्रकार कैदियों की फरार होने की घटना को लेकर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चॉकलेट की लालच देकर युवक ने 11 साल की किशोरी से की शारीरिक छेड़छाड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट शहर के 150 फूट रोड स्थित आरएमसी आवास योजना के मकान में रहनेवाली 11 वर्षीय किशोरी के साथ एक शख्स ने शारीरिक छेड़छाड़ की। घटना सामने आने के बाद किशोरी के पिता ने राजकोट की यूनिवर्सिटी पुलिस थाने में आरोपी शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के आरएमसी आवास योजना में रहनेवाले 38 वर्षीय व्यक्ति मेटोडा स्थित प्राइवेट इंजस्ट्री में काम कर परिवार का जीवनयापन करते हैं। 6 संतानों में सभी बेटियां हैं और उसमें सबसे बड़ी 13 वर्ष की जो 8वीं कक्षा में पढ़ती है। जबकि 11 वर्षीय बेटी पांचवीं कक्षा की छात्रा है। गत रविवार की दोपहर पीड़ित किशोरी के पिता को उनके दोस्त राजा पठान ने फोन कर अपने घर बुलाया। राजा पठान के घर पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उसे क्षेत्र में रहनेवाला प्रकाश भट्टी नामक शख्स 11 साल की मासूम किशोरी को चॉकलेट की लालच देकर अपने घर ले गया था। जहां बिस्तर पर लिटा कर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की किशोरी के पिता ने उससे पूछा तो उसने बताया कि प्रकाश उसे चॉकलेट की लालच देकर अपने घर ले गया था।

जहां मुझे पलंग पर लिटाकर मेरे सीने पर हाथ फेरने लगा उसे ऐसा करते देख मैं तुरंत वहां से निकल गई। जिसके बात पीड़ित किशोरी के पिता ने यूनिवर्सिटी पुलिस थाने में प्रकाश भट्टी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है।

हार्टअटैक से बेटे की मौत से दु:खी माता ने तेजाब पीकर जान दे दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट, करीब 15 दिन पहले 45 वर्षीय बेटे की मौत से दु:खी माता ने एसिड पीकर अपनी जान दे दी। पहले बेटा और बाद में माता की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर दिया। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर जिले की थानगढ़ में रेलवे लाइन में रहनेवाली 75 वर्षीय निर्मलाबेन नागरदास गडिया नामक वृद्धा ने एसिड पी लिया था। गंभीर हालत में वृद्धा को राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान वृद्धा की मौत हो गई। वृद्धा की 6 संतानों में 3 बेटे और 3 बेटियां हैं। जिसमें 45 वर्षीय अतुल गडिया की करीब 15 दिन पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। बेटे की मौत ने निर्मलाबेन को झकझोर दिया।

बेटे की मौत के बाद से गुमसुम रहनेवाली वृद्धा ने अचानक एसिड पी लिया। गंभीर हालत में वृद्धा को राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान वृद्धि की मौत हो गई।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141480 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com